RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 22 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 13-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 लोकतंत्र सेनानियों से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी : शर्मा

6 मृत्यु नहीं, नवजीवन का संदेश है अंगदान

7 श्रेया घोषाल ने 'जन गण मन' को दी अपनी आवाज

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया से आयातित पेपरबोर्ड पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की मांग

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आईपीएमए) ने सरकार से इंडोनेशिया से कुछ पेपरबोर्ड उत्पादों के आयात पर तत्काल डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का आग्रह किया है। संघ का दावा है कि सस्ते आयात के कारण घरेलू विनिर्माताओं को 242 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आईपीएमए ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जांच के बाद इंडोनेशिया से वर्जिन मल्टी-लेयर पेपरबोर्ड के आयात में डंपिंग की पुष्टि की है और सुधारात्मक शुल्क लगाने की सिफारिश की है। संघ ने कहा, कम कीमत वाले आयात के खिलाफ अंतरिम उपाय के तौर पर लगाया गया न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) 30 सितंबर, 2026 को समाप्त होने वाला है, जिस कारण इसकी जरूरत और बढ़ गई है।

पाकिस्तान में सड़क दुर्घटना में 15 लोगों की मौत

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कथित तौर पर तेज रफ्तार के कारण एक तिपहिया वाहन नहर में गिर गया, जिसके कारण महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पंजाब के मुजफ्फरगढ़ जिले के कोट अड्डु में मंगलवार को यह तिपहिया वाहन में गिर गया। उन्होंने बताया कि इसमें शादी समारोह में शामिल होने जा रहे 26 लोग सवार थे। यह स्थान लाहौर से लगभग 350 किलोमीटर दूर है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल-जुलाई में निर्यात 15 प्रतिशत बढ़ा : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के दौरान देश का निर्यात करीब 15 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने साथ ही भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में एक हजार अरब डॉलर के वस्तु एवं सेवा निर्यात का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। वित्त वर्ष 2025-26 में निर्यात 863 अरब डॉलर रहा था। उन्होंने कहा, ''चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में निर्यात में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।'' जुलाई महीने के निर्यात और आयात के अंतिम आंकड़े 13 अगस्त को जारी किए जाएंगे। मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बारे में गोयल ने कहा कि पिछले चार साल में अंतिम रूप दिए गए नौ समझौतों ने घरेलू उद्योग के लिए बड़े अवसर खोले हैं।

'रील युग' में रह रहे युवा 'शॉर्टकट' से दूर रहें : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की बुधवार को अपील करते हुए कहा कि 'रील के युग' में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि ''पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया, बल्कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पहल पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है।'' मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति के प्रयास भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की, क्योंकि इनसे किसी खास दौर को उस व्यक्ति के जीवन के ज़रिए समझने का मौका मिलता है जिसने उसे खुद अनुभव किया हो। उन्होंने कहा, ''यह रील का ज़माना है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अक्सर आपको अपनी ओर खींचते हैं और कुछ खास रास्तों पर ले जाते हैं। शॉर्टकट के इस दौर में, आइए रेलवे स्टेशनों पर अक्सर दिखने वाले उस संदेश को याद करें, शॉर्टकट आपकी ज़िंदगी छोटी कर सकता है। यह इसलिए लिखा होता है क्योंकि कुछ लोगों को रेल पुल का इस्तेमाल करने के बजाय पटरियों पर कूदने की आदत होती है। हालांकि, अगर जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए कोई शॉर्टकट अपनाना ही है, तो वह है किसी ऐसे व्यक्ति की आत्मकथा पढ़ना जिसे आप पसंद करते हैं।''

मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोशल मीडिया पर 'जेन जी' से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) का प्रश्नपत्र लीक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद मोदी ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और 'रील पोस्ट' करें।

हाल के हफ्तों में मोदी ने स्वयं युवाओं को संबोधित करते हुए कई बार रील साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद की आत्मकथा ''भारतीय लोकतंत्र की धरोहर'' बनेगी और नई पीढ़ी को इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

मोदी ने कहा, ''हमें भविष्य में और ऐसे कई युवाओं की जरूरत है जो कोविंद की तरह हों। ऐसे लोग जो हालात से हार न मानें, बल्कि हर चुनौती से पार पाने का पुख्ता इरादा रखें। वे आत्मनिर्भर भारत का रास्ता बनाएंगे और यह आत्मकथा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।'' उन्होंने कहा कि आत्मकथा का शीर्षक बिल्कुल सही है क्योंकि कोविंद का जीवन और संघर्ष भले ही व्यक्तिगत थे, लेकिन उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की है। मोदी ने याद किया कि बचपन में घर का सामान बचाने की कोशिश के दौरान लगी आग में कोविंद ने अपनी मां को खो दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुखद घटना कोविंद को तोड़ सकती थी लेकिन इसके बजाय इसने उन्हें और मजबूत बनाया। मोदी ने कहा कि कोविंद में अच्छे संस्कार डालने में उनके पिता की अहम भूमिका रही।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में कोविंद के साथ अपनी मुलाकातों को याद करते हुए कहा कि पूर्व राष्ट्रपति उनसे ऐसी बातें करते थे जिनकी प्रोटोकॉल के तहत आम तौर पर अनुमति नहीं होती थी और उनके मना करने के बावजूद वे उन्हें खुद कार तक छोड़ने आते थे। कोविंद ने इस अवसर पर अपने बचपन की मुश्किलों और अपने आस-पास के माहौल से मिली सीख को याद किया। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के एक गांव से आता हूं।

दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी भारत में पाए जाते हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 'विश्व हाथी दिवस' के मौके पर कहा कि दुनिया के 60 प्रतिशत से ज़्यादा जंगली एशियाई हाथी भारत में पाये जाते हैं और उनके लिए देश में 33 अभयारण्य हैं जो उनके दीर्घकालिक संरक्षण प्रयासों को मजबूत करते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विश्व हाथी दिवस पर, हम विशाल एवं शानदार हाथी का जश्न मनाते हैं जो भारत की पारिस्थितिक विरासत का एक अभिन्न अंग रहा है।''

उन्होंने लिखा, ''हमें उन सभी

वन कर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और स्थानीय समुदायों पर भी गर्व है जो ऐसी सभी कोशिशों का अहम हिस्सा हैं।'' हर साल 12 अगस्त को 'विश्व हाथी दिवस' मनाया जाता है। इस साल इस मौके पर, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने हाथियों और इंसानों के लिए एक साझा भविष्य सुरक्षित करने के भारत के संकल्प को दोहराया।

यादव ने 'एक्स' पर लिखा कि भारत वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित 150 हाथी गलियारों (कॉरिडोर), आबादी की बेहतर निगरानी और दृढ़ उपायों के माध्यम से हाथियों के संरक्षण को लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, '2जब हम हाथियों का भविष्य सुरक्षित करते हैं तो हम अपने जंगलों, जैव-विविधता और पारिस्थितिक विरासत को भी सुरक्षित करते हैं। आइए हम यह सुनिश्चित करें कि हाथी आने वाली पीढ़ियों तक भारत के जंगलों और इलाकों में आजादी से घूमते रहें।'' 'सिंक्रोनस ऑल इंडिया पॉपुलेशन एस्टीमेशन ऑफ़ एलिफेंटस 2021-25' के अनुसार, भारत में 22,000 से ज़्यादा जंगली हाथी हैं।

अमरनाथ यात्रा : 'छड़ी मुबारक' को शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। अमरनाथ यात्रा की सदियों पुरानी परंपरा के तहत 'हरियाली अमावस्या' के अवसर पर बुधवार को 'छड़ी मुबारक' को पूजा-अर्चना के लिए शहर के डलगेट इलाके में स्थित ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। दशनामी अखाड़े की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, स्वामी अमरनाथ जी यात्रा 2026 के तहत महंत दीपेंद्र गिरि की अगुवाई में 'पवित्र छड़ी मुबारक' को 'हरियाली अमावस्या' (श्रावण अमावस्या) के अवसर पर सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार गोपादरी पहाड़ियों पर स्थित ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। बयान में कहा गया कि इस दौरान जम्मू कश्मीर और पूरे देश की शांति एवं समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना भी की गई।पत्रकारों से बातचीत में

महंत दीपेंद्र गिरि ने कहा कि इतिहासकारों के अनुसार पहाड़ी की चोटी पर स्थित इस ऐतिहासिक मंदिर का निर्माण मूल रूप से राजा संदीमन ने कराया था। उन्होंने कहा, यह मंदिर पहले ज्येष्ठेश्वर या ज्योतिश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता था। लेकिन आदि गुरु शंकराचार्य जी के यहां आने के बाद अब यह श्री शंकराचार्य मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार यानी 13 अगस्त को देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए छड़ी मुबारक' को यहां हरि पर्वत किले में स्थित शारिका भवानी' मंदिर ले जाया जाएगा। अमरनाथ यात्रा को मार्ग की मरम्मत के लिए तय समय से करीब तीन सप्ताह पहले नौ अगस्त को रोक दिया गया था। हालांकि, पवित्र गुफा के लिए 'छड़ी मुबारक' की पारंपरिक धार्मिक यात्रा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी और अमरनाथ यात्रा का औपचारिक समापन पूर्व निर्धारित तिथि 28 अगस्त को होगा।

मुंबई में भूस्खलन से सात लोगों की मौत, सात अन्य घायल

मुंबई/भाषा। मुंबई के घाटकोपर इलाके में बुधवार तड़के भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में तीन बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई और इतने ही अन्य घायल हो गए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन की घटना तड़के तीन बजकर 48 मिनट पर चिराग नगर के अशोक नगर स्थित गौसिया चॉल में हुई।

उन्होंने बताया कि पहाड़ी का एक हिस्सा और मलबा दो से तीन मकानों पर गिर गया, जिससे जान-माल का नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि घाटकोपर स्थित बीएमसी संचालित राजावाडी अस्पताल में सात लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग, पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), एंबुलेंस सेवा और बीएमसी के वार्ड कर्मचारियों के दल मौके पर तैनात हैं तथा खोज एवं बचाव अभियान जारी है। मुंबई की महापौर रितु तावड़े भी घटनास्थल पर पहुंचीं और उन्होंने वहां जारी खोज एवं बचाव अभियान का जायजा लिया।

तावड़े ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। महापौर ने प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को चार-चार लाख रुपये की तत्काल वित्तीय सहायता और प्रत्येक घायल व्यक्ति के इलाज के लिए 50,000 रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने बचाव कार्य में लगी एजेंसियों को अपने प्रयासों को तेज करने और बेहतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। प्रशासन स्थिति और बचाव अभियान पर लगातार नजर बनाए हुए है।

विपक्ष चर्चा के लिए तैयार हो, हर सवाल का जवाब दूंगा : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि यदि विपक्षी दल छात्रों से जुड़े विषय पर चर्चा के लिए तैयार हो जाएं तो वह हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं ताकि देश की जनता के सामने सब 'दूध का दूध, पानी का पानी हो जाए' क्योंकि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। बीते 20 जुलाई को आरंभ हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में जारी गतिरोध के बीच शाह ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रखा और आरोप लगाया कि विपक्ष चर्चा होने ही नहीं देना चाहता। शाह ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि संसद का मानसून सत्र शुरू होने के बाद से वह नियमित रूप से संसद आ रहे हैं और अपने कक्ष में बैठते हैं, लेकिन विपक्ष दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है।

'लापता, भाग गए, भगोड़े.. इस प्रकार की भाषा भारत के सार्वजनिक जीवन और संसदीय जीवन में अभी-अभी सुनाई पड़ी है। जब से संसद सत्र शुरू हुआ है, तब से लगातार मैं संसद में आता हूं, अपने कक्ष में बैठता हूं। चूंकि संसद भवन में विपक्ष दोनों सदनों में कार्यवाही चलने नहीं दे रहा है, तो कोई जाकर क्या करेगा?'' गृह मंत्री ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार नीट से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों के मुद्दे पर सभी प्रकार से चर्चा के लिए तैयार है, समय तय किया जाए और विपक्ष भी चर्चा के लिए तैयार हो जाए।

शाह का 'लेक्चर' सुनने में दिलचस्पी नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष को उनका ''लेक्चर'' सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है, बल्कि उन्हें सिर्फ यह बताना चाहिए कि दिल्ली में छात्रों पर ''गोली चलाने'' का आदेश किसने दिया था। उन्होंने कहा कि यदि शाह ने आदेश दिया था तो वह दोषी हैं और यदि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं थी तो 'अक्षम' हैं तथा इन दोनों ही परिस्थितियों में उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। ''पिछले दिनों कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी और मैंने संवाददाता सम्मेलन किया तथा अन्य विपक्षी दलों ने भी स्पष्ट कर दिया है कि शाह की काल्पनिक बातें सुनने में हमें कोई दिलचस्पी नहीं है। हम उनका लेक्चर सुनने में दिलचस्पी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी दिलचस्पी सिर्फ एक साधारण सवाल में है। और जब मैं हम' कहता हूं, तो इसका मतलब इस देश की युवा पीढ़ी से है। सवाल यह है कि दिल्ली में छात्रों पर गोली किसने चलवाई? एक छात्र को किसने अंधा कर दिया? छात्रों पर लाठियां चलाने का आदेश किसने दिया?'' उनका कहना था कि यह तो स्पष्ट है कि आदेश को गृह मंत्रालय ने लागू किया था। गांधी ने कहा, ''क्या अमित शाह ने छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था? अगर उन्होंने दिया था, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि इसके लिए वह दोषी हैं।

चर्चा से भागने वाला विपक्ष पहली बार देखा : किरेन रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को विपक्ष पर संसद में चर्चा से भागने'' का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा पहली बार देखा गया कि सरकार खुद चर्चा कराने और सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के इस रवैये से वह एक मंत्री और सांसद के तौर पर बहुत निराश एवं दुखी हैं।

रीजीजू ने कहा कि अब तो जनता भी जानना चाहती है कि कांग्रेस चर्चा से क्यों भाग रही है। संसद के मानसून सत्र में एक दिन का समय बचे होने के बीच, उन्होंने उम्मीद जताई कि है और विपक्ष छात्रों के मामलों पर चर्चा करेगा तथा गृह मंत्री अमित शाह की बात सुनेगा। विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद रीजीजू ने संसद परिसर स्थित अपने कक्ष में संवाददाताओं से कहा, मैं काफी निराश और दुखी हूं। अपने जीवन में पहली बार मैं ऐसी स्थिति देख रहा हूं, जहां सरकार संसद में चर्चा चाहती है, लेकिन विपक्ष उससे भाग रहा है।

उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में आम तौर पर विपक्ष चर्चा की मांग करता है और सरकार उसके सवालों के जवाब देती है। लेकिन मौजूदा स्थिति में सरकार खुद कह रही है कि वह चर्चा कराएगी और जवाब देगी, जबकि विपक्ष चर्चा के लिए तैयार नहीं है।

13-07-2026 सूर्यास्त 6:41 बजे	14-08-2026 सूर्योदय 6:09 बजे
BSE 77,966.35 (-187.90)	NSE 24,435.95 (-35.75)
सोना 15,949 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 244,760 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भय का भूत

हवाओं तक में बेचैनी,
अजब ये दौर ऐसा है।
नहीं कुछ सूझता सबको,
तमस घनघोर ऐसा है।
सभी का दिल चुरा लेगा,
वो माहिर चोर ऐसा है।
वही है मुल्क का मालिक,
यहां फिर शोर ऐसा है।।

महावीर प्रसादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन सेवा मंडल बेंगलूरु कैंट के सदस्यों ने हरियालरी अमावस्या के अवसर पर अपना 129वां अन्नदान कार्यक्रम तिम्मया रोड स्थित किशनलाल फूलचंद लुनिया मेटरनिटी होम के पास महावीर प्रसादी वितरण का आयोजन किया। इस सेवा कार्य में चांदमल सियाल, महावीरचंद गादिया, ताराचंद लुणावत, अशोक खिंवसरा, प्रदीप मेहता, सुनील पोखरना, महेन्द्र लुनिया, विशाल गादिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

धार्मिक उन्माद वाला व्यक्ति परमाणु बम से भी खतरनाक : संतश्री कमलेशमुनि

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के स्थाकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि धार्मिक उपासना में निरंतर रहने वाली आत्मा में जब जाति, पंथ, प्रांत, भाषा आदि उन्माद का भूत सवार होता है तो उसके प्रेम, सद्भाव, करुणा, वात्सल्य सद्गुण नष्ट हो जाते हैं उसमें पागल बन जाता है, धर्मांध हो जाता है और हित अहित को भूलकर वह विवेक शून्य, क्रूर और हिंसक बन जाता है।

नास्तिक व्यक्ति में उन्माद आता है तो अपना ही नुकसान करता है और धार्मिक आत्मा में उन्माद आता है तो समाज, परिवार, देश और विश्व को तबाह कर देता है।

नास्तिक से भी धार्मिक उन्माद वाला व्यक्ति परमाणु बम से भी खतरनाक होता है। कोई भी धर्म उन्माद की इजाजत नहीं देता है । उन्माद और धार्मिकता व्यक्ति में एक साथ नहीं रह सकते। धर्म का मुख्य लक्ष्य है उन्माद से मुक्ति पाना, शालीनता में रमण करना।

गुरु जन्मोत्सव पर अन्नप्रसादी

श्रमण संघीय उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी के 66वें जन्मोत्सव के अवसर पर बुधवार को पृथ्वीराज, निकेतन भंसाली परिवार द्वारा गदग में हजारों लोगों को भोजन कराया गया। ज्ञातव्य है कि भंसाली परिवार लगभग 16 वर्षों से प्रतिवर्ष गुरुदेव के जन्मोत्सव पर अन्नप्रसादी कार्यक्रम आयोजन करता आ रहा है ।

कावेरी जल विवाद : आज न्यायालय में होने वाली सुनवाई के बाद आगे की कार्रवाई तय करेगी कर्नाटक सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बुधवार को कहा कि राज्य के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के निर्देश के अनुसार तमिलनाडु को प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ना मुश्किल होगा। रेड्डी ने कहा कि सरकार बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय में होने वाली सुनवाई के नतीजे के आधार पर आगे की कार्रवाई तय करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य के साथ कोई अन्याय न हो। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने मंगलवार को नयी दिल्ली में हुई बैठक में कर्नाटक सरकार को निर्देश दिया कि वह 12 अगस्त से 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े। इसके बाद सीडब्ल्यूएमए ने इस फैसले को बरकरार रखा।

रेड्डी ने कहा, ''मैंने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अधिकारियों के साथ चर्चा की है। मुख्यमंत्री ने हमारे महाधिवक्ता और दिल्ली में मौजूद वकीलों से बात की है। तमिलनाडु की याचिका पर उच्चतम न्यायालय में कल सुनवाई होगी; इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। हमें वहां अपना पक्ष रखने का मौका मिलेगा और हमारे वकील अपनी आपत्तियां दर्ज कराएंगे। देखते हैं कि उच्चतम न्यायालय क्या कहता है। इसके बाद हमारे पास आगे की कार्रवाई के विकल्प होंगे।''

राज्य के जल संसाधन मंत्री ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार की आगे की कार्रवाई उच्चतम न्यायालय की सुनवाई के नतीजे पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु ने एक याचिका दायर की है और हमें नोटिस जारी किया गया है। हमें वहां अपना पक्ष रखने का मौका मिलेगा। सुनवाई के नतीजे के आधार पर हम तय करेंगे कि आगे कानूनी कार्रवाई की जरूरत है या नहीं। यह वकीलों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर है।''

तमिलनाडु सरकार ने इस महीने की शुरुआत में कर्नाटक के साथ कावेरी विवाद को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। उसका कहना था कि सीडब्ल्यूआरसी द्वारा निर्देशित पानी की मात्रा और कर्नाटक द्वारा छोड़ा गया पानी, दोनों ही अपर्याप्त है। सीडब्ल्यूआरसी ने इससे पहले, 28 जुलाई को कर्नाटक को 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए प्रतिदिन कावेरी का 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया था।

रेड्डी ने कहा कि प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का पहले का निर्देश कुछ हद तक स्वीकार्य था, लेकिन 15 दिनों तक प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का नया आदेश, जो लगभग 16 टीएमसी पानी के बराबर है, कर्नाटक के लिए बहुत महंगा है।

चित्तशुद्धि किए बिना आत्म कल्याण का मार्ग प्रारंभ नहीं होता : मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोड़वाड़ भवन में गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी के गतिमान गुरुकृपा चातुर्मास के अंतर्गत बुधवार को अपने प्रवचन में मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी ने कहा कि चित्तशुद्धि किए बिना आत्म कल्याण का मार्ग प्रारंभ नहीं होता। फ=

जब तक मन मलिन है, विषय-विकारों से वासित है तब तक आध्यात्मिक जगत में प्रवेश नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मन रूपी पात्र को पहले शुभ भावनाओं से भावित करके पवित्र बनाना होगा। ऐसे पवित्र पात्र में ही जिनवाणी रूपी अमृत भरा जा सकता है।

राग से रंजित और द्वेष से दूषित ऐसे मन रूपी खेत में धर्म साधना के बीज नहीं बोए जा सकते। जैसे किसान खेत में बीज बोने से पहले घास-फूस , कंटीली झाड़ियों और कंकरों, पत्थरों को दूर हटा देता है, हल जोत कर भूमि को मृदु बनाता है उसके बाद बीज बोता है । उसी तरह मन रूपी खेत में से कषायों की कंटीली झाड़ियों और विषय विकारों के कंकड़ों को दूर हटाना जरूरी है। तभी धर्म के बीज फलीभूत होकर पुष्पित पल्लवित हो पाएंगे । ङगोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति द्वारा कर्नाटक सरकार अल्पसंख्यक कल्याण, हज और वक्फ विभाग के सचिव मनोज जैन से भेंट कर आगामी संक्रान्ति महोत्सव 17 अगस्त पर पधारने हेतु निमंत्रण दिया गया।

गोडवाड़ भवन जैन ट्रस्ट के महासचिव विक्रम कुमार करबावाला ने जैन को बताया कि गुरु वल्लभ समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति पद्मश्री आचार्य नित्यानंद सूरीश्वर जी की निश्रा में बहुप्रतीक्षित स्व बंधु आवास योजना को मूर्तरूप देने के लिए चातुर्मास आयोजक समिति द्वारा कार्य किया जा रहा है। महीपाल सुराणा भी साथ में थे।

धर्म को जीवन में आत्मसात करें : अभिजीतमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में धर्म को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि कर्म सत्ता हमें नहीं छोड़ती और धर्म हमें अच्छे कर्म करना सिखाता है। व्यक्ति को आत्मकल्याण के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए, क्योंकि किए हुए कर्मों का हमें भोग भोगना पड़ता है। संतश्री ने राजा की कहानी सुनाते हुए कहा कि जीवन में छोटी सी भूल भी शूल तलवार बन कर सुख से जीने नहीं देती इसलिए हर कार्य को सोच समझकर व ध्यानपूर्वक करना चाहिए। सभा का संचालन अध्यक्ष पारसमणी रुणवाल ने किया।

आशीर्वाद

नई दिल्ली में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई और पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंदा कारजोल ने बुधवार शाम को यहां चातुर्मासार्थ विराजित पेजावर पूज्य श्रीस्वामीजी से मुलाकात की और स्वामीजी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

शिवकुमार ने नए मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंत्रिमंडल विस्तार के 10 दिन बाद नवनियुक्त मंत्रियों को बुधवार को उनके विभागों का आवंटन कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने पहले से पद संभाल रहे कुछ मंत्रियों के विभागों में भी फेरबदल किया है। बी ज़ेड ज़मीर अहमद खान को आवास विभाग सौंपा गया है, जबकि लक्ष्मण सावदी को सहकारिता मंत्री बनाया गया है। हाल तक विधानसभा के उपाध्यक्ष रहे रुद्रप्पा मनप्पा लमाणी अब चीनी एवं वस्त्र मंत्री होंगे। मंत्रिमंडल में दो ऐसे मंत्रियों के विभागों में भी बदलाव किया गया है, जो पहले आवंटित विभागों से असंतुष्ट थे। रामलिंगा रेड्डी को वृहद सिंचाई विभाग से हटाकर वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं, के एच मुनियप्पा को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से स्थानांतरित कर समाज कल्याण विभाग सौंपा गया है। स्वास्थ्य मंत्री यू टी खादर को अल्पसंख्यक कल्याण, हज और वक्फ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। शिवराज तंगडगी को पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग, टी रघुमूर्ति को अनुसूचित जनजाति (एसटी) कल्याण, अजय सिंह को लघु सिंचाई तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (साइंस एंड टेक्नोलॉजी), और चेलुवरायस्वामी को वृहद एवं मध्यम सिंचाई विभाग का प्रभार मिला है। इसके अलावा, मधु बंगारप्पा को प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, बसवराज राय रेड्डी को उच्च शिक्षा और शिवलिंगे गौड़ा को आबकारी मंत्री बनाया गया है।

पुट्टरंगा शेट्टी पशुपालन और रेशम उत्पादन मंत्री बने हैं, जबकि विजयानंद काशप्पनवर को लघु उद्योग और सार्वजनिक उद्यम विभाग सौंपा गया है। संतोष लाड को श्रम एवं रोजगार, के एस बसवंतप्पा को मुज़राई (धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्त विभाग), मत्स्य पालन, पोत परिवहन और अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग मिला है।

एस एस मल्लिकार्जुन को खान एवं भूविज्ञान तथा बागवानी, रिजवान अरशद को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले, नरेंद्र स्वामी को कृषि, एच सी बालकृष्ण को नगर प्रशासन और बी नागेंद्र को योजना एवं सांख्यिकी विभाग आवंटित किया गया है।

शिवकुमार के नेतृत्व वाले इस मंत्रिमंडल में एक भी महिला मंत्री शामिल नहीं है। मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने के दो महीने बाद शिवकुमार ने तीन अगस्त को 19 नए मंत्रियों को शामिल करके अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था जिससे मंत्रियों की कुल संख्या 33 हो गई है, जबकि एक पद अब भी खाली है। विभागों का यह आवंटन राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले हुआ है।

बैठक

बुधवार को मुख्यमंत्री के गृह कार्यालय 'कृष्णा' में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में कैबिनेट साथियों और सीनियर नेताओं के साथ बैठक की। इसमें उपमुख्यमंत्री डॉ. जी परमेश्वर, केपीसीसी अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद, मंत्री केजे जॉर्ज, एमबी पाटिल, केएच मुनियप्पा, यूटी खादर, कृष्णा बायरे गौड़ा, प्रियंक खरगे, यतींद्र सिद्दरामय्या, पूर्व विधानसभा स्पीकर रमेश कुमार, पूर्व अपर हाउस स्पीकर सुदर्शन और दूसरे लोग शामिल हुए।

विमोचन

बेंगलूरु में बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने डॉ. द्वारानकुंटे पटना के लिखे नॉवेल 'रानी अहिल्याबाई होल्कर और क्रांतिवीर संगोली रायन्ना' का विमोचन किया। इस मौके पर स्टेट गारंटी स्कीम्स इम्प्लीमेंटेशन अथॉरिटी के चेयरमैन एचएम रेवन्ना, लेखक बारागुरु रामचंद्रप्पा, एचएल पुष्पा, विधायक मुनिराजू, वरिष्ठ पत्रकार नागन्ना, बी.एम. हनीफ और कन्नड़ प्रभा के सम्पादक गिरीश राव हटवार मौजूद थे।

एफसीआरए विधेयक संयुक्त समिति को भेजा गया, विपक्ष ने की वापस लेने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कई विपक्षी दलों की आलोचना और विभिन्न परमार्थ संगठनों की मांग के बाद बुधवार को विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 को विस्तृत समीक्षा और संभावित सुझावों के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया। लोकसभा ने इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और द्रमुक ने विधेयक को अल्पसंख्यकों के खिलाफ करार देते हुए इसे वापस लेने की मांग की। सरकार ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस विधेयक में एक भी प्रावधान अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है तथा यह सिर्फ देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ध्वनिमत से मंजूरी दी। विधेयक का विरोध करते हुए कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि यह विधेयक गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और अल्पसंख्यक संस्थानों को निशाना बनाने के लिए लाया गया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही है। वेणुगोपाल ने कहा, ''इस विधेयक को वापस लिया जाए।'' सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पूरा विपक्ष एफसीआरए विधेयक के खिलाफ है। उन्होंने विधेयक को अल्पसंख्यकों के खिलाफ बताया और कहा कि यह सरकार आज तक ऐसा कौन सा विधेयक लाई है जो अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं हो। द्रमुक नेता टीआर बालू ने भी विधेयक को वापस लेने की मांग की। अल्पसंख्यक और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया और अखिलेश यादव को यह साबित करने की चुनौती दी कि इस विधेयक में एक भी प्रावधान अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। किसी भी समुदाय को निशाना बनाने का सवाल ही नहीं उठता। रीजीजू का कहना था, ''कांग्रेस और कई विपक्षी दलों ने खुद मांग की थी कि विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा जाए और अब जब इसे भेजा जा रहा है तो इस पर आपत्ति क्यों है।'' अगर विपक्ष को विधेयक के किसी बिंदु का विरोध करना है तो वह संयुक्त समिति के समक्ष अपनी बात रख सकता है। मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष कुछ समुदायों को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही सदन ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। प्रस्तावित कानून के तहत, सरकार ने उन मामलों में विदेशी योगदान से बनाई गई संपत्तियों का अस्थायी या स्थायी नियंत्रण लेने के लिए ''नामित प्राधिकरण'' स्थापित करने के लिए एक नया अध्याय 3ए पेश किया, जहां विदेशी अंशदान प्रमाण पत्र रद्द कर दिए हैं, जिनका आत्मसमर्पण कर दिया गया है या बंद कर दिए हैं। एक मई, 2011 को अधिनियमित विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010, विदेशी अंशदान और विदेशी आतिथ्य की स्वीकृति और उपयोग को नियंत्रित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस तरह के धन के प्रवाह से राष्ट्रीय हित, सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। अधिनियम में इससे पहले 2016, 2018 और 2020 में संशोधन किया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

I Smt . **Damayanti** aged 69yrs W/o Late Raghunath Pradhan, R/at village Hussepur Kothiya po, Nonahra Dist Ghazipur UP. now camped at Bangalore declare that in Aadhar card No 7899 8935 1701 my name was correctly entered as **DAMAYANTI** which is true and Correct vide Affdavit Dt 12.8.2026 before Notary S.I. Balaguru, Bangalore. But Army record my name was given and recorded as DEVINTI PRADHAN.Kindly make Necessary Correction as per my Aadhar Card as **DAMAYANTI.**

एयरटेल ने 299 रुपये के लोकप्रिय प्लान समेत चार प्रीपेड प्लान बंद किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने 299 रुपये, 579 रुपये, 619 रुपये और 649 रुपये वाले चार प्रीपेड प्लान हटा दिए हैं जिसके बाद 299 रुपये का लोकप्रिय प्लान चुनने वाले ग्राहकों के लिए अब 349 रुपये वाला महंगा विकल्प ही रह गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एयरटेल का यह कदम दूरसंचार उद्योग में शुल्क बढ़ोतरी की संभावित शुरुआत का संकेत है। दूरसंचार कंपनियों का इस समय प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़ाने पर विशेष ध्यान बना हुआ है। एयरटेल ने प्रीपेड प्लान में किए गए बदलाव के बाद 199 रुपये और 219 रुपये वाले शुरुआती प्लान में कोई बदलाव नहीं किया है। लेकिन 299 रुपये वाला प्लान हटने से उसके ग्राहकों को अब 349 रुपये का प्लान लेना होगा, जो करीब 16 प्रतिशत महंगा है। इस 349 रुपये के प्लान में असीमित 5जी डेटा की सुविधा है।

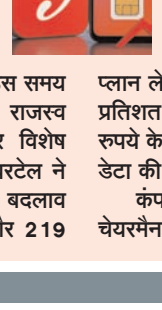

कंपनी के कार्यकारी वाइस चेयरमैन गोपाल विट्ठल ने कहा था कि शुल्क में सुधार की बात वास्तव में मोबाइल प्लान की मौजूदा संरचना से जुड़ी है। बहुत कम कीमत पर असीमित डेटा उपलब्ध कराने से एआरपीयू एक सीमा तक सीमित रह जाता है, जो कारोबार के लिए स्वस्थ स्थिति नहीं है। हर बाजार में छोटे, मध्यम, बड़े और बहुत बड़े स्तर के प्लान होते हैं लिहाजा मोबाइल सेवाओं में तर्कसंगत 'मूल्य संरचना' जरूरी है।

प्रशासनिक खामियों के कारण बेंगलूरु जेल में छापा मारा गया, अन्य जेलों में भी होगी कार्रवाई : प्रियंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने बुधवार को कहा कि उन्होंने हाल में निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक खामियां पाए जाने के बाद बेंगलूरु की परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल में औचक छापेमारी के आदेश दिए थे। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य की अन्य जेलों में भी इसी तरह की जांच की जाएगी। जेल अधिकारियों के अनुसार, छापेमारी के दौरान पूर्व सांसद और दुष्कर्म मामले में दोषी करार दिये गए प्रज्वल रेवन्ना के पास से एक स्मार्टफोन बरामद किया गया। प्रज्ज्वल, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं।

राज्य के गृह मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से अनुमति लेने के बाद छापेमारी के लिए करीब 100 केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) कर्मियों को तैनात किया गया था। इस दौरान कई खामियां सामने आईं। उन्होंने कहा कि जेल के भीतर नियमों के उल्लंघन में सहयोग करने वाले अधिकारियों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

प्रियंक खरगे ने पत्रकारों से कहा, ''यह सीसीबी की ओर से खुद की गई कार्रवाई नहीं थी, मैंने इसके आदेश दिए थे। किसी भी जेल में छापेमारी के लिए गृह मंत्री का आदेश जरूरी होता है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने दो-तीन सप्ताह पहले जेल का दौरा किया था और उस दौरान कुछ खामियां देखीं। इसके बाद उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की और मुख्यमंत्री की मंजूरी लेकर छापेमारी कराई। गृह मंत्री ने कहा, ''हमने व्यवस्था और वहां की स्थिति की जांच के लिए करीब 100 सीसीबी कर्मियों को भेजा था। कई खामियां मिलीं और हमने कार्रवाई भी शुरू कर दी है।'' उन्होंने बताया कि नियमों के उल्लंघन में मदद करने वाले अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश दिए गए हैं।

प्रियंक खरगे ने कहा, ''हमारे विभाग में कुछ अधिकारी अभी भी पुराने तरीकों को नहीं छोड़ पाए हैं। हम ऐसे सभी लोगों की पहचान करेंगे और उनके खिलाफ जरूरी कानूनी कार्रवाई करेंगे।'' उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई केवल परप्पना अग्रहारा जेल तक सीमित नहीं रहेगी। गृह मंत्री ने कहा, ''यह सिर्फ परप्पना अग्रहारा जेल की बात नहीं है। राज्य की सभी जेलों में ऐसी कार्रवाई होगी। मैं आपको यह नहीं बताऊंगा कि कब, कहां और क्या कार्रवाई होगी। यह कलबुर्गी, बेलगावी, बेंगलूरु या कहीं भी हो सकती है। हम सख्त कार्रवाई करेंगे और इसे जारी रखेंगे।''

जेलों में बार-बार घटनाओं के बाद अधिकारियों के तबादले या निलंबन पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी के खिलाफ अपराध साबित होता है तो उसे सेवा से बर्खास्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार जेलों में बंदियों को किसी भी तरह की वीआईपी सुविधा नहीं मिलने देगी।

प्रियंक खरगे ने कहा, ''हम किसी को इस तरह की वीआईपी सुविधा नहीं लेने देंगे। यह छापेमारी ही संदेश है। अगर कोई यह सोचता है कि वह मेरे अधिकारियों को रिश्वत देकर कुछ भी कर सकता है तो वह गलत है।''

प्रज्ज्वल रेवन्ना की बैरक से मोबाइल फोन और पेन ड्राइव मिलने की खबरों पर खरगे ने कहा कि फिलहाल इस बारे में पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, ''कौन सा मोबाइल फोन मिला, पेन ड्राइव किसकी थी, किसकी नोटबुक मिली, यह सब गोपनीय रखना होगा। समय आने पर हम पूरी जानकारी साझा करेंगे।'' उन्होंने जांच में जल्दबाजी नहीं करने की बात कहते हुए कहा कि अधिकारियों को यह पता लगाना होगा कि प्रतिबंधित सामान जेल के अंदर कौन लेकर आया और किसने कैदियों की मदद की।

प्रियंक खरगे ने कहा, ''अभी यह सामान मिला है। हमें पता लगाना होगा कि इसे अंदर कौन लाया, वहां कौन लोग सहयोग कर रहे हैं और किस तरह सहयोग कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि जेलों के डिजिटल नेटवर्क, जिसमें मोबाइल फोन जैमर भी शामिल हैं, का तकनीकी ऑडिट कराने के आदेश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा, ''जेलों में जैमर लगे हैं और हमें जानकारी मिल रही है कि कुछ जगहों पर वे काम नहीं कर रहे हैं।

खाद्य पदार्थों के एक गोदाम में लाइसेंसिंग और लेबलिंग संबंधी खामियां मिलीं, नोटिस जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने शहर के प्रमुख होटलों और रेस्तरां को खाद्य सामग्री और किराने का सामान उपलब्ध कराने वाले एक गोदाम का विशेष निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि इस संबंध में संबंधित इकाई को नोटिस जारी किया गया है और निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यू टी खादर के निर्देश पर विभाग के खाद्य सुरक्षा प्रभाग ने 11 अगस्त को बेंगलूरु शहरी जिले के सकलावारा नगर, सकलावारा स्थित इस इकाई का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा नियम, 2011 के तहत चलाए जा रहे अभियान के तहत ऑनलाइन माध्यम से खाद्य आपूर्ति करने वाले एक लोकप्रिय मंच द्वारा संचालित इस इकाई का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एक बयान में कहा कि निरीक्षण के दौरान परिसर साफ-सुथरा पाया गया। हालांकि, अधिकारियों ने पाया कि 146 किलोग्राम चिकन के लिए निर्माता का एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर उपलब्ध नहीं था, जबकि 40 किलोग्राम लहसुन के निर्माता का एफएसएसएआई लाइसेंस वैध नहीं था।

विभाग ने कहा कि पैक किए गए सामानों पर गलत लेबलिंग पाई गई, जिनमें 300 किलोग्राम चावल, 20 किलोग्राम सूखे मेवे और 15 किलोग्राम मसाला शामिल हैं। इसके अलावा, 10 किलोग्राम आयातित मूली के अचार को लेबल पर दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रशीतित स्थान पर नहीं रखा गया था। विभाग ने निरीक्षण के दौरान 40 नमूने एकत्र किए, जिनमें पांच कानूनी नमूने और 35 सर्वेक्षण नमूने शामिल हैं।

मंगलूरु में विस्थापित परिवारों ने एमआरपीएल से अधिगृहित भूमि लौटाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के चौथे चरण के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण के कारण विस्थापित परिवारों ने मांग की है कि कंपनी तीन महीने के भीतर उन्हें नौकरियां एवं अन्य पुनर्वास लाभ उपलब्ध कराए अन्यथा उनकी जमीन वापस करे। एमआरपीएल चतुर्थ चरण के लिए विस्थापित व्यक्तियों की समिति की कुट्टेथूर में हुई एक बैठक में यह मांग उठाई गई। समिति के सदस्यों ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि मई, 2026 में हुई एक बैठक में यह निर्णय किया गया था कि पात्र विस्थापित परिवारों को तीन महीने के भीतर नौकरियां और अन्य लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे।

समिति के मानद अध्यक्ष डोनी सोरेस ने आरोप लगाया कि जुलाई, 2024 में हुई बैठक उपायुक्त की उपस्थिति में हुई थी जिसमें वादा किया गया था कि दिसंबर, 2016 में पंचायत कर भुगतान का रिकॉर्ड रखने वाले लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उस बैठक में यह निर्देश भी दिया गया था कि सात महीने के भीतर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि, समिति को बगैर सूचित किए एमआरपीएल के अधिकारियों ने पात्रता का मानक संशोधित कर दिया और इन बदलावों को सरकार को भेज दिया जिसमें आधार, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज अनिवार्य कर दिए गए।

उन्होंने दावा किया कि बाद में सरकार के आदेश से रोजगार देने की सात महीने की समय सीमा हटा दी गई। सोरेस ने कहा कि एमआरपीएल ने पूर्व उपायुक्त मुल्लाई मुहिलान की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में उन लोगों को रोजगार देने के मुद्दे पर सहमति जताई थी जिनके पास पंचायत कर के रिकॉर्ड हैं। उन्होंने दावा किया कि इस बैठक में स्थानीय सांसद और विधायक मौजूद थे।

गैराज में आग लगने से कई इलेक्ट्रिक बाइक जलकर खाक

बेंगलूरु। कर्नाटक में बेंगलूरु के 'एनआरआई लेआउट' स्थित एक गैराज में मंगलवार रात लगी भीषण आग में कई इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन जलकर खाक हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, यह आग मंगलवार रात करीब नौ बजे लगी और देखते ही देखते पूरे गैराज में फैल गई। गैराज में बड़ी संख्या में 'इलेक्ट्रिक बाइक' खड़ी थीं।

कर्नाटक में तंबाकू और गुटखा-पान मसाला की बिक्री पर एक साल के लिए लगी रोक

बेंगलूरु। कर्नाटक के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू व निकोटीन वाले अन्य उत्पादों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। यह कदम राज्य भर में इन उत्पादों की बिक्री और वितरण पर एक साल के लिए रोक लगाने वाले सरकारी अधिसूचना के बाद उठाया गया है। बेंगलूरु में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन आयुक्त के कार्यालय की एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 10 अगस्त को जारी किया गया नोटिफिकेशन जन-स्वास्थ्य के हित में है और यह जारी होने की तारीख से एक साल तक लागू रहेगा।

हुब्बल्ली-वाराणसी ट्रेन सेवा हफ़्ते में 3 दिन की जाएगी

नई दिल्ली/हुब्बल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री ने उत्तर कर्नाटक के लोगों को फ़ायदा पहुंचाने के लिए 'हुब्बल्ली-वाराणसी' ट्रेन सेवा को हफ़्ते में लगातार तीन दिन करने का भरोसा दिया है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और उत्तर कर्नाटक और काशी के बीच कनेक्टिविटी को और मज़बूत करने के लिए 'हुब्बल्ली-वाराणसी' ट्रेन सर्विस को बढ़ाने का अनुरोध किया। मंत्री ने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि हुब्बल्ली-वाराणसी ट्रेन अभी हफ़्ते में एक बार चलती है, और अगर इसे हफ़्ते में तीन दिन किया जाता है, तो इससे उत्तर कर्नाटक के उन भक्तों को बहुत फ़ायदा होगा जो काशी और वाराणसी की धार्मिक यात्राएं करते हैं, टूरिस्ट और बिज़नेस और रोज़गार के लिए यात्रा करने वाले आम लोगों को बहुत फ़ायदा होगा।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(मानव संसाधन प्रभाग - II)
मुख्यालय, गेट संख्या-10 (पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003

फाइल सं.: 01-04001(03)/4/2026-66 दिनांक: 08-07-2026

भारतीय खेल प्राधिकरण में उप निदेशक (प्रतिनियुक्ति आधार) हेतु भर्ती

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी संस्था है, अपने मुख्यालय, नई दिल्ली तथा विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों में 03 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति आधार पर वेतन मैट्रिक्स स्तर-11 में **उप निदेशक** के 19 पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। पात्र अधिकारी निर्धारित प्रारूप में आवेदन, आवश्यक दस्तावेजों सहित, निदेशक (मानव संसाधन प्रभाग-II), SAI, जे.एन. स्टेडियम परिसर, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 को प्रेषित कर सकते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 23-08-2026 (सायं 5:00 बजे तक) है।

विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, आवेदन प्रपत्र तथा अन्य निर्देश SAI की वेबसाइट (www.sportsauthorityofindia.nic.in) पर उपलब्ध होंगे।

CBC 47103/11/0020/2627

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(मानव संसाधन प्रभाग -II)
मुख्य कार्यालय, द्वार सं.10 (पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003

File No. 01-04001(02)/3/2026-66 Date: 21-07-2026

एलपीडी माइनस पैंशन आधार पर सहायक निदेशक (राजभाषा) पद हेतु नियुक्ति

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है, एलपीडी माइनस पैंशन आधार पर सहायक निदेशक (राजभाषा) के एक (01) पद पर नियुक्ति हेतु पात्र सेवानिवृत सरकारी अधिकारियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की समय-सारणी निम्नानुसार है:-

- ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि: 23.07.2026
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 22.08.2026

विस्तृत विज्ञापन, पात्रता शर्तें, नियुक्ति के नियम एवं शर्तें, आवेदन प्रपत्र तथा अन्य आवश्यक निर्देश भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट www.sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध हैं।

CBC 47103/11/0021/2627

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
(भारत सरकार का सांविधिक निकाय)
शिक्षा मंत्रालय
नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
वेबसाइट : www.aicte-india.org

स्थायी अधिवक्ता(ओं) के पैनल हेतु सूचना

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (अभातशिप) द्वारा भारत के सर्वोच्च न्यायालय, विभिन्न न्यायालयों तथा देश के अन्य न्यायिक अथवा अर्ध-न्यायिक मंचों के समक्ष खउव्र का प्रतिनिधित्व करने हेतु अधिवक्ताओं (स्टैंडिंग काउन्सिल) तथा ऑन-रिकॉर्ड अधिवक्ताओं (जठ) का पैनल गठित करने हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

पात्रता मानदंड, अर्हता, अनुभव संबंधी अपेक्षाओं तथा अन्य नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी अभातशिप की वेबसाइट aicte.gov.in/bulletins/advertisements पर उपलब्ध है।

इच्छुक अधिवक्ता आवश्यक सहायक दस्तावेजों सहित अपना ऑनलाइन आवेदन **दिनांक 07.09.2026** अथवा उससे पूर्व जमा कर सकते हैं। आवेदन की विधिवत हस्ताक्षरित हार्ड कॉपी भी निदेशक (विधि), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (अभातशिप), नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070 को दिनांक **21.09.2026** तक अथवा उससे पूर्व अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जानी चाहिए।

आवेदन के लिफाफे के ऊपर : **अधिवक्ता के पैनल के लिए आवेदन _____ (न्यायालय का नाम)** स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए।

विज्ञापन क्रमांक :
अभातशिप/विधिक प्रकोष्ठ/08 (01)/2026

प्रो. श्यामा रथ
सदस्य सचिव, अभातशिप

CBC 21300/11/0005/2627

भारत सरकार
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट झ-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुड़गाँव, हरियाणा - 122050.
ईमेलः roc.cpace@mca.gov.in

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना

कंपनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कंपनी (कंपनी रजिस्टर से कंपनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2026-27/979 दिनांक : 04/08/2026

संदर्भ:

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (88) कंपनियों के नाम कर्नाटक राज्य से हटाने के मामले में:

S.NO	Work Item	CIN	Company Hindi Name
1	AC4704015	U82110KA2026PTC221948	मेडरोल टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
2	AC4633957	U41001KA2026PTC214241	जेएन यूनिटी कंस्ट्रक्शंस एंड कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड
3	AC4670418	U80900KA2021PTC145231	मास्टर्सडिपो प्राइवेट लिमिटेड
4	AC4781957	U62099KA2026PTC214146	नीलोवोक्ज़ प्राइवेट लिमिटेड
5	AC4685936	U86100KA2025PTC203668	आरबी पाटिल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड
6	AC4796559	U62011KA2025PTC205100	डोक्काबी टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
7	AC4753345	U08999KA2025PLC204503	ट्रस्टफील्ड प्रोजेक्ट एंड इंफ्रा लिमिटेड
8	AC4698601	U86100KA2025PTC204884	आयुषविंग्स प्राइवेट लिमिटेड
9	AC4675835	U62099KA2025PTC203102	पार्टनर गेन मीडिया प्राइवेट लिमिटेड
10	AC4633566	U46493KA2025PTC200321	ऑफिसआर्ट इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड
11	AC4655757	U63999KA2025PTC196832	ज़ेनजिन बिज़नेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
12	AC4783372	U82990KA2025PTC199598	एक्सेलरेटइंट प्राइवेट लिमिटेड
13	AC4740345	U72900KA2019PTC120842	क्लाउडज़ीरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
14	AC4702328	U46901KA2025PTC199042	अनिर्विन लाइफस्टाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
15	AC4447865	U70200KA2024PTC187621	नेस्टर फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड
16	AC4742615	U68200KA2024OPC185710	कॉन्स्ट्रोवल अप्राइज़र (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
17	AC4722810	U85500KA2024PTC188516	एडवियोस एडटेक प्राइवेट लिमिटेड
18	AC4534698	U74999KA2018PTC109702	पुटुमैयाना माइंड्स एनालिटिक्स एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
19	AC4729732	U66190KA2024PTC184017	ज़ोपिडो टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
20	AC4257127	U45300KA2023PTC180819	निपुण्यम ऑटोमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड
21	AC4672764	U08107KA2023PTC177924	सत्त्वम माइन्स प्राइवेट लिमिटेड
22	AC4685035	U22199KA2023PTC176914	इडुम्बा प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
23	AC4467669	U47219KA2023PTC176963	अहिली मार्ट प्राइवेट लिमिटेड
24	AC4308122	U23954KA2023PTC174684	ग्लोबल ब्रिक्स एंड ब्लॉक्स प्राइवेट लिमिटेड
25	AC4665094	U78200KA2023PTC173780	हनीहाइव टैलेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
26	AC4794314	U62099KA2023PTC175262	ईजीआई नेट्ज़वर्कड्न्फो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
27	AC4660522	U41001KA2023OPC174074	इटर्नल कंस्ट्रक्शन (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
28	AC4501673	U47739KA2023PTC170977	लिबेरेटा प्राइवेट लिमिटेड
29	AC4681899	U72500KA2022PTC167984	लाकुम्ब्रे टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
30	AC4385878	U74999KA2022PTC169637	थिंकस्मार्ट मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड
31	AC4836518	U51219KA2022PTC158519	चुकी एग्रीटेक इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड
32	AC4744807	U14294KA2022PTC164832	मुनिसुर्वा इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड
33	AC4216586	U72200KA2022PTC166016	आईटॉप टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
34	AC4570900	U72900KA2022PTC163458	एएसटीटी सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
35	AC4762416	U72900KA2022PTC163819	असेंडेंस स्पेसटेक प्राइवेट लिमिटेड
36	AC4893096	U01100KA2022PTC157182	यूनीसीड एग्रो फार्म प्राइवेट लिमिटेड
37	AC4611171	U72900KA2021PTC150087	थिंगमज़िंग लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
38	AC4662312	U34300KA2021PTC152926	स्टैंज़ेन ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
39	AC4844754	U52100KA2021PTC152815	वर्व ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड
40	AC4520289	U29299KA1981PTC004323	ज्योति इलेक्ट्रोइड्स (बेलगाम) प्राइवेट लिमिटेड
41	AC4784950	U15134KA2021PTC142814	अवानी फार्मलैब्स प्राइवेट लिमिटेड
42	AC4740287	U15400KA2021PTC146400	पोरओवर कॉफी रोस्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
43	AC4683223	U45203KA1994PTC015671	खानागवी कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड
44	AC4494456	U15549KA2021PTC143483	बेक एंड बाइट प्राइवेट लिमिटेड
45	AC4720826	U74999KA2020PTC140030	ग्रेट ईस्टर्न क्यूरेटर प्राइवेट लिमिटेड
46	AC4648830	U31102KA1987PTC008338	वैभव विद्युत प्राइवेट लिमिटेड
47	AC4375085	U31100KA2020PTC138733	ऑस्ट्रिया मेडटेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
48	AC4440271	U72900KA2020PTC134681	टेकोबिट्स टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
49	AC4057814	U67190KA2020PTC132794	बगोडा चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड
50	AC4741152	U74999KA2020PTC132403	ग्लोकस टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
51	AC4848138	U72900KA2020PTC132585	स्केलेंस टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
52	AC4625184	U80903KA2020PTC133635	ब्लूइंक एजुकेशन सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
53	AC4559069	U51909KA2019PTC125891	क्यूटॉयज़ इम्पोर्ट एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड
54	AC4515498	U72501KA2019PTC127454	यूविडटेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
55	AC4816793	U55209KA2019PTC128996	हटके रिटेल प्राइवेट लिमिटेड
56	AC4757111	U74999KA2019PTC129131	एलेगेन पर्सनल प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
57	AC4510065	U72900KA2019FTC123380	टासकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
58	AC4737117	U15549KA2019PTC123312	बंदार फूड्स एंड बेवरेजेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
59	AC4688864	U74999KA2019OPC124396	सेकविन कंसल्टिंग (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
60	AC4413416	U72200KA2019PTC125918	आईटीजेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
61	AC4823342	U55209KA2018PTC116939	ओबीएन फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
62	AC4417385	U80302KA2018PTC112018	मैग्नासॉफ्ट बीआईएम इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
63	AC4621726	U93000KA2018PTC119000	कैरव एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड
64	AC4841778	U20299KA2018PTC111557	शुगरपाम्स ओवरसीज़ प्राइवेट लिमिटेड
65	AC4643770	U72900KA2017PTC104540	इन्फिनआई ग्लोबल आईटी सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
66	AC4679056	U74999KA2017PTC106990	नाइट आउट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड
67	AC4601349	U85300KA2017PTC105788	वासुदेव क्रिटिकल लाइफ केयर प्राइवेट लिमिटेड
68	AC4414008	U35999KA2021PTC142953	हवाई इंजीनियरिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
69	AC4488141	U74999KA2017PTC101738	इन्वेंटियो एडवांस्ड अकादमी प्राइवेट लिमिटेड
70	AC4688283	U85100KA2017PTC102498	ऐपीडॉक हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड
71	AC4597404	U74999KA2016PTC094119	स्पेस डायनासोर एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड
72	AC4745843	U45309KA2016PTC098537	हर्षा इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड
73	AC4373761	U72900KA2018PTC109847	हॉटरी टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
74	AC4290706	U74999KA2016PTC098883	रैव्स चिट्स प्राइवेट लिमिटेड
75	AC4390467	U72200KA2015PTC083840	सॉ आईटी सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
76	AC4564412	U74900KA2016PTC085900	ज्योति कॉनमिक्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
77	AC4628749	U74900KA2015PTC082431	धृतिधनु शुगर्स प्राइवेट लिमिटेड
78	AC4349185	U17120KA2015PTC083659	अडके मिनी पावरलूम टेक्सटाइल पार्क प्राइवेट लिमिटेड
79	AC4686653	U72900KA2006PTC040403	वोनोव टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
80	AC4216845	U74900KA2014PTC077831	टेकफ्लावर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
81	AC4643031	U72200KA2014PTC074621	जर्मन एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
82	AC4256326	U74999KA2011PTC058400	वेयोविस लाइफ साइंसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
83	AC4599676	U72200KA2011PTC056727	लिनार्च इंफॉर्मेशन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
84	AC4529008	U74900KA2010PTC054722	पैटसन लीगल नॉलेज प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड
85	AC4681026	U51397KA2010PTC054934	प्लांटमेड फार्मा प्राइवेट लिमिटेड
86	AC4656042	U72200KA2009PTC049083	सीआर बीआई कंसल्टिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
87	AC4469929	U85110KA1991PLC012465	कुट्टुकरन मशीन टूल लिमिटेड
88	AC4565328	U45200KA2008PTC045072	सृष्टि बिल्डर्स एंड प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कंपनियों के नाम कंपनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कंपनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कंपनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कंपनी ने निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कंपनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कंपनी रजिस्ट्रार से अपना / अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कंपनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कंपनियों के नामों को कंपनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कंपनी को कंपनी रजिस्ट्रार से कंपनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

इरकान तिर्की
उप - पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0443/2627

वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास का प्रमुख इंजन हैं ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाएं : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय वित्त तथा कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास का प्रमुख इंजन हैं और बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाने में उन्हें एक जैसी संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सीतारमण यहां ब्रिक्स के सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठक में द रोल ऑफ द न्यू डेवलपमेंट बैंक इन मोबिलाइजिंग प्राइवेट कैपिटल इन मेंबर कंट्रीज विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में निवेश के जोखिम को कम करने, परियोजना को बैंक के लिए आकर्षक बनाने और निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में बहुपक्षीय विकास बैंकों की अहम भूमिका पर जोर दिया ताकि बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाई जा सके।

आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत के अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और उससे जुड़े संरचनात्मक सुधारों के जरिये अपने अवसंरचना पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि एक दशक पहले की तुलना में सार्वजनिक निवेश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है जो राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाह, डिजिटल अवसंरचना और ऊर्जा नेटवर्क में उत्पादक राष्ट्रीय परिसंपत्तियां बनाने की एक सोची-समझी रणनीति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का मानना है कि सार्वजनिक पूंजी को निजी निवेश का विकल्प नहीं बल्कि उसके उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करना चाहिए। इसी सिद्धांत के समर्थन में भारत सरकार ने विभिन्न सुधार किए हैं जिसमें आर्थिक रूप से सीमित लेकिन सामाजिक रूप से वांछनीय परियोजनाओं को समर्थन प्रदान करने को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण करना शामिल है। उन्होंने माना कि ब्रिक्स के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास के मुख्य इंजन हैं, वहीं बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाने में उन्हें एक जैसी संरचनात्मक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि यह चुनौती सिर्फ पूंजी की उपलब्धता की ही नहीं, बल्कि भरोसा, स्थिरता, पूर्वानुमेयता और विश्वसनीय दीर्घकालिक ढांचा तैयार करने की भी है, जो सदस्य देशों में निजी क्षेत्र की निरंतर भागीदारी को बढ़ावा देने को जरूरी हैं।

वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकासात्मक वित्त का भविष्य साझेदारी में निहित है। बहुपक्षीय संस्थाओं, राष्ट्रीय सरकारों और निजी क्षेत्र सहित सभी की अपनी-अपनी विशिष्ट खूबियां हैं।

इससे पहले आर्थिक कार्य विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि आज की संगोष्ठी खास तौर पर प्रासंगिक है क्योंकि विकासात्मक वित्त अब ऐसे दौर में है जहां बड़े पैमाने पर काम करने के साथ-साथ मजबूती भी जरूरी है। बयान के अनुसार, संगोष्ठी में वरिष्ठ नीति-निर्माता, बहुपक्षीय संस्थाओं और निजी कंपनियों के प्रमुख मौजूद थे।

भाजपा सरकार के सामाजिक न्याय के दावों की पोल खुली: अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक संसदीय समिति की रिपोर्ट के हवाले से केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर बुधवार को निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस रिपोर्ट ने भाजपा सरकार के सामाजिक न्याय के दावों की पोल खोल दी है। गहलोत ने एक बयान में कहा, संसदीय समिति की रिपोर्ट ने केंद्र की भाजपा सरकार के सामाजिक न्याय के दावों की पोल खोल दी है। अनुसूचित जाति-अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों के लिए मुफ्त कोचिंग योजना में 2023-24 में 3,500 के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ 223 यानी 6.4 प्रतिशत छात्रों को कोचिंग मिली, 2025-26 में यह आंकड़ा फिर गिरकर सिर्फ 12.3 प्रतिशत रह गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने कहा कि इसका बजट भी जानबूझकर 47 करोड़ से घटाकर सिर्फ 20 करोड़ रुपए कर दिया गया। उन्होंने कहा, यह लापरवाही नहीं बल्कि सोची-समझी नीति है। जो सरकार अनुसूचित जाति और ओबीसी वर्ग के वोट तो मांगती है, उसी वर्ग के बच्चों की शिक्षा योजना का बजट चुपचाप काट देती है। गहलोत ने कहा कि संसदीय समिति को खुद कहना पड़ा कि सरकार का जवाब संतोषजनक नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी कांग्रेस सरकार की अनुप्रति कोचिंग योजना ने राजस्थान में हजारों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी छात्रों को प्राथमिकता देकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का सशक्त मंच दिया था। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार को यह समझना चाहिए कि दलित-पिछड़ों की शिक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा।

एआई, डिजिटल तकनीक से स्मार्ट शिक्षा से सशक्त होगी राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव ने बुधवार को जयपुर में पीरामल फाउंडेशन ग्रुप के चेयरमैन अजय पीरामल, सीईओ आदित्य नटराज, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के चेयरमैन एवं सह-संस्थापक रामदेव अग्रवाल के साथ बैठक कर राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों, नवाचारों, मॉडल विद्यालयों के विकास करने एवं भावी कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ कौशल, रोजगारपरक प्रशिक्षण एवं बेहतर मानसिक स्वास्थ्य का वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में यादव ने प्रदेश में संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं, सरकारी विद्यालयों एवं शिक्षा कार्मिकों से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 649 पीएमविद्यालयों की तर्ज पर सीएम राइज में 400 विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नवाचारों को बढ़ावा देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने शिक्षा सेतु कार्यक्रम की जानकारी देते हुए इसके माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं विद्यालयी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। एसीएस ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएं। उन्होंने विद्यालयों में संचालित व्यावसायिक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का विस्तार करने तथा दूरस्थ एवं छोटे गांवों के विद्यालयों तक इनका लाभ पहुंचाने की आवश्यकता बताई। बैठक में विद्यार्थियों एवं युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए संस्थागत स्तर पर कार्यक्रम संचालित करने, ड्रॉपआउट रोकने, नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विचार-विमर्श हुआ। विद्यालयों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। चयनित सरकारी विद्यालयों को बेहतर सुविधाओं एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाते हुए मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करने तथा कम्युनिटी पार्टिसिपेशन को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

यादव ने शिक्षकों एवं शिक्षा कार्मिकों के प्रशिक्षण को मजबूत करने के लिए ट्रेनिंग सेंटर एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सीएसआर के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने तथा निजी संस्थाओं एवं फाउंडेशन के साथ प्रभावी साझेदारी को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। पीरामल फाउंडेशन के संस्थापक अजय पीरामल ने संस्था द्वारा राजस्थान में किए जा रहे कार्यों का फीडबैक लिया तथा चर्चा एवं सुझावों के अनुरूप सहयोग को और बढ़ाने का आश्वासन दिया।

प्रदेश सरकार अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बुधवार को जोधपुर जिले में पाल रोड स्थित विधायक जनसुनवाई केन्द्र लूणी में आमजन की परिवेदनाएं सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में निरंतर जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं से अंतिम व्यक्ति को जोड़ा जा रहा है।

पटेल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं एवं परिवेदनाओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनसेवा की भावना से कार्य करते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करें।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही या उदासीनता सुशासन की अवधारणा को कमजोर करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक अधिकारी अपने स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें और नागरिकों को राहत पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पटेल ने कहा कि अधिकारी निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, इससे आमजन में शासन की छवि सुदृढ़ होती है और जनता का विश्वास प्रशासन पर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल आदेशपालक न बनें, बल्कि शासन की नीति और मंशा के अनुरूप सक्रिय भागीदारी निभाएं। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ निरंतर संवाद रखें ताकि स्थानीय समस्याओं का त्वरित एवं युक्तियुक्त समाधान सुनिश्चित किया जा सके। पटेल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं है, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई जैसी व्यवस्थाएं लोकतंत्र की नींव को मजबूत करती हैं और नागरिकों को सशक्त बनाती है। पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, सड़क, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति जैसी बुनियादी सेवाएं प्रत्येक नागरिक का मूलभूत अधिकार हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि इन सेवाओं की नियमित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राजस्थान में कई जगह भारी बारिश होने की संभावना

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय रहने के कारण बुधवार को राजस्थान के अनेक हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।मौसम विभाग के अनुसार कई जगह मध्यम से लेकर भारी बारिश हो सकती है।मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य में भारी बारिश का दौर जारी है। बुधवार को भी जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर तथा जोधपुर और बीकानेर संभागों के कुछ भागों में मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी और एक-दो स्थानों पर अति भारी बारिश होने की चेतावनी है।

भारी बारिश की गतिविधियों में बृहस्पतिवार से कमी होने तथा राज्य के कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश और पूर्वी राजस्थान में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। इसी तरह 14 अगस्त से जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग के अधिकांश भागों में बारिश में कमी आएगी। हालांकि, उत्तर-पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी भागों में कुछ स्थानों पर मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। राज्य के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी भागों को छोड़कर अधिकांश इलाकों में 15 अगस्त से बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है।

लोकतंत्र सेनानियों से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष लोकतंत्र की रक्षा की ऐतिहासिक गाथा है तथा उनका त्याग और समर्पण युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों से अपने अनुभवों के माध्यम से समाज को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री बुधवार को अपने आवास पर आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेक पीढ़ियों के बलिदान के बाद देश को आजादी मिली। वहीं, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों ने राष्ट्रहित में कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए लोकतंत्र की रक्षा की।

शर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि उसे जो लोकतांत्रिक व्यवस्था सहज रूप से मिली है, उसके पीछे लोकतंत्र सेनानियों का त्याग छिपा है। इससे युवा लोकतंत्र के महत्व को समझने और उसके संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक लोकतंत्र सेनानी को अपने जीवन के अनुभवों को लिखित रूप में दर्ज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को संरक्षित करेगी।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानी समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करने के लिए राष्ट्रहित जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सभी वर्गों के साथ निरंतर संवाद करें, ताकि सुशासन, विकास और सामाजिक संवेदना सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता बने।शर्मा ने कहा कि इससे कठिन समय में व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए योगदान देने की भावना भी मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों की पीढ़ी ने आपातकाल को देखा और सहा है, इसलिए वे समाज और राष्ट्र को दिशा देने की क्षमता रखते हैं। उनके अनुभवों का लाभ प्रदेश को मिलना चाहिए। इस अवसर पर विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व सांसद राजेंद्र गहलोत सहित बड़ी संख्या में लोकतंत्र सेनानी उपस्थित रहे।

ब्यावर के जैतारण में गूंजा राष्ट्रप्रेम, 100 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत ब्यावर जिले में आयोजित हो रहे राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की श्रृंखला में जैतारण में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के नेतृत्व में निकली रैली में 100 मीटर लंबा तिरंगा आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। हाथों में तिरंगा थामे बड़ी संख्या में शामिल लोगों ने देशभक्ति के नारों से पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया।

रैली में आमजन ने उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागिता निभाते हुए राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम और गौरव की भावना व्यक्त की। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, युवाओं, महिलाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने तिरंगा हाथ में लेकर रैली में भाग लिया और 'हर घर तिरंगा' अभियान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

तिरंगा रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। मार्ग में आमजन ने तिरंगे का स्वागत करते हुए रैली में

शामिल प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। देशभक्ति गीतों और नारों से जैतारण का माहौल राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। रैली ने नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा अभियान' प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने आमजन से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

सफाईकर्मियों की नियुक्ति के मुद्दे को लेकर धरने पर बैठे मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर बुधवार को अलवर नगर निगम कार्यालय परिसर में कर्मचारियों के साथ धरने पर बैठ गए और जिलाधिकारी पर निशाना साधा। शर्मा ने कहा कि जब तक सफाई कर्मचारियों को नियुक्तिपत्र नहीं मिल जाते और उनकी नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक वह धरना स्थल से नहीं उठेंगे। मंत्री ने सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित देरी को लेकर जिलाधिकारी और नगर निगम आयुक्त के प्रति कड़ी नाराजगी जताई।

वहीं, राज्य के कांग्रेस नेताओं ने इस घटनाक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह भाजपा शासन में प्रशासनिक तंत्र के पूरी तरह चरमरा जाने का सबूत है। मंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने 2012 की भर्ती प्रक्रिया के तहत सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए थे। इसके बाद नगर निगम ने नियुक्तिपत्र जारी करने के संबंध में स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक से मार्गदर्शन मांगा था। शर्मा ने बताया कि कई महीनों की बातचीत और

प्रक्रिया के बाद अधिकारियों ने 69 अभ्यर्थियों को नियुक्तिपत्र देने का निर्णय लिया था, लेकिन बाद में यह प्रक्रिया रोक दी गई। बुधवार सुबह वाल्मीकि समुदाय के कुछ सदस्य उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें बताया कि अधिकारियों ने नियुक्तिपत्र देने से इनकार कर दिया है। शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, मैंने जिलाधिकारी से बात की, लेकिन उनका रवैया नकारात्मक था। वह अपने रुख पर अड़ी हुई थीं और मामले को सुलझाने के लिए तैयार नहीं थीं। इसलिए मैं नगर निगम कार्यालय आया और समुदाय के सदस्यों के साथ धरने पर बैठ गया। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री कार्यालय को भी इस मामले की जानकारी दी है। जिलाधिकारी अर्तिका शुक्ला से इस संबंध में बात नहीं हो सकी।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, अगर मंत्री अपनी ही सरकार के घोटालों के खिलाफ धरने पर बैठ जाएं, तो सोचिए...सरकार में भाजपाई भ्रष्टाचार का आलम क्या है। डोटासरा ने कहा, जब मंत्री स्वयं नौकरशाही पर बेईमानी, लूट-खसोट और मनमानी करने जैसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं, तो सोचिए अराजकता की स्थिति कितनी भयावह है।

उन्होंने कहा कि अलवर में सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर वन मंत्री संजय शर्मा का धरने पर बैठना और जिलाधिकारी व नगर निगम आयुक्त पर गंभीर आरोप लगाना भाजपा सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। डोटासरा ने कटाक्ष करते हुए कहा, जनता सब देख रही है और ढाई साल बाद इस अराजक और भ्रष्ट व्यवस्था की विदाई तय है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मामले को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा सरकार की असलियत अलवर में खुलकर सामने आ गई है। सफाई कर्मचारियों को नियुक्तिपत्र तक नहीं मिल रहे और खुद राज्यमंत्री संजय शर्मा को अपनी ही सरकार के नगर निगम के खिलाफ धरने पर बैठना पड़ा। यह भाजपा शासन में प्रशासनिक तंत्र के पूरी तरह चरमरा जाने का सबूत है।

उन्होंने कहा, जिलाधिकारी से बात करने के बावजूद जब अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की, तो मंत्री को खुद सड़क पर बैठकर आंदोलन करना पड़ा। यह दिखाता है कि भाजपा राज में मंत्री सिर्फ नाम के हैं, जबकि असली फैसले नौकरशाही की मर्जी से होते हैं। जूली ने कहा, जिस सरकार का अपना मंत्री ही न्याय के लिए भटकता फिरे, वह गरीब सफाई कर्मचारियों और आम जनता को क्या इंसाफ देगी? राज्य सरकार के कामकाज पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, यह सरकार नहीं चल रही, बल्कि अफसरशाही के भरोसे लड़खड़ा रही है। भाजपा को यह बताना चाहिए कि जब उसका अपना मंत्री ही व्यवस्था से त्रस्त है, तो जनता किस मुंह से इस सरकार पर भरोसा करे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री और भाजपा अध्यक्ष ने कर्तव्य पथ पर तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को यहां कर्तव्य पथ पर आयोजित तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराएं, उसकी तस्वीरें लें और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करें। मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा शुरू होने से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज हम यहां अपने देश को आगे ले जाने और भारत को मजबूत बनाने के दृढ़ संकल्प के साथ खड़े हैं। स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें आजादी दिलाई है। अब देश की ताकत युवाओं और वर्तमान पीढ़ी के हाथों में है। अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और उसकी तस्वीरें लें। राष्ट्रध्वज हाथों में थामे प्रतिभागियों ने इंडिया गेट से विजय चौक तक मार्च किया।

स्वतंत्रता दिवस से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शहरभर में तिरंगा यात्राएं निकाल रही है। इन यात्राओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रवादी नेताओं के योगदान को रेखांकित किया जा रहा है।

बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा पर जाने वाली महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी, मुकदमा दर्ज

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाली एक महिला के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संभल की रहने वाली तमन्ना मलिक नामक महिला बुर्का पहनकर अपने पति अमन त्यागी के साथ कांवड़ लेकर हरिद्वार आयी थी और बाद में गाजियाबाद के डासना देवी मंदिर में जलाभिषेक किया था। उन्होंने बताया कि महिला ने अपनी इस यात्रा की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर साझा की थीं जिस पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मुरादाबाद के रहने वाले फरमान नामक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने शांति भंग के तहत कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि फरमान को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया जहां से उसे जमानत मिल गई। फरमान का थाने से बाहर निकलते समय का एक वीडियो प्रसारित हो रहा है जिसमें वह कथित तौर पर कान पकड़कर माफी मांगता नजर आ रहा है।

सहकारी संस्थाओं को और अधिक मजबूत करने की राज्यसभा में उठी मांग

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में विभिन्न दलों के सदस्यों ने सहकारी संस्थाओं को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में इन संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को बदलती जरूरतों के अनुरूप प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लाये गए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा के रामराव सखाराम वडकुते ने कहा कि सहकारी संस्थाओं से किसानों को बहुत मदद मिलती है क्योंकि उन्हें बीज से लेकर बाजार तक बहुत कुछ चाहिए। यह विधेयक सहकारी संस्थाओं को मजबूत करेगा और निश्चित रूप से किसानों को इससे बहुत मदद मिलेगी। वडकुते ने मांग की कि ''सीमांत किसानों को सहकारी संस्थाओं का लाभ मिले तथा सहकारिता में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए। यह विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' सहकारिता मंत्री अमित शाह की ओर से उच्च सदन में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक 2026 को सहकारिता राज्य मंत्री मोहोल ने पेश किया।

बंगाल विधानसभा में हावड़ा वार्ड परिसीमन संशोधन विधेयक पारित, सरकार ने मास्टर प्लान तैयार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बुधवार को हुए विशेष एक दिवसीय सत्र में हावड़ा नगर निगम में वार्ड की संख्या 50 से बढ़ाकर 68 करने के प्रस्ताव वाले विधेयक को पारित कर दिया गया। साथ ही सदन द्वारा सात फरवरी को पारित एक संशोधन विधेयक को वापस ले लिया गया।

राज्य की शहरी विकास और नगर कार्य मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने हावड़ा नगर निगम संशोधन विधेयक, 2026 पेश करते हुए वार्ड के प्रस्तावित पुनर्गठन का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इसका मकसद निवासियों को नागरिक सेवाएं तेजी से उपलब्ध कराना है। पॉल ने बताया कि राज्य सरकार ने हावड़ा के लिए एक विशेष मास्टर प्लान तैयार किया है। इस मास्टर प्लान में सड़कों की मरम्मत, साफ पेयजल की आपूर्ति में सुधार और स्थायी जल निकासी की व्यवस्था बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से कोलकाता में बार-बार होने वाली जल-जमाव की समस्या को हल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वार्ड के पुनर्गठन का फैसला आबादी में अंतर की वजह से लिया गया है। पॉल ने कहा, ''वार्ड की संख्या बढ़ाने का फैसला आबादी में अंतर की वजह से लिया गया है। वार्ड के पुनर्गठन के बाद नागरिकों को नागरिक सुविधाएं और बेहतर ढंग से मिल पाएंगी।'' अपने संबोधन के दौरान

पॉल ने विपक्ष के नेता ऋतब्रत बंद्योपाध्याय और तृणमूल कांग्रेस के विधायकों पर निशाना साधा और हावड़ा में लंबे समय से मौजूद नागरिक समस्याओं जैसे कि जल-जमाव, खराब सड़कें, अपर्याप्त जल निकासी व्यवस्था, बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण और पेयजल की समस्याओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि हावड़ा में थोड़ी सी भी बारिश के बाद दो से तीन दिनों तक पानी जमा रहता है।'' उन्होंने कथित अवैध निर्माण और पर्याप्त जल निकासी तथा जल आपूर्ति ढांचे के अभाव को लेकर पिछली सरकार पर सवाल उठाए। परिसीमन संशोधन विधेयक के आधिकारिक तौर पर पारित होने के बाद हावड़ा में लंबित निकाय चुनाव इस साल त्योहारों के मौसम के बाद होने की संभावना है। पॉल ने कहा, ''हम नगर निकाय चुनाव के समय का फैसला अपनी पार्टी के कार्यालय में बैठकर नहीं करेंगे। इसका निर्णय राज्य निर्वाचन आयोग से परामर्श के बाद लिया जाएगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने चुनाव हारने के डर से जानबूझकर निकाय चुनावों में देरी की थी। पॉल ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस की सरकार में हावड़ा को नगर निकाय के लिए आवंटित 200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता नहीं मिली। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार के राजनीतिक हितों के कारण हावड़ा को केंद्र की ओर से आवंटित 200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता से वंचित रखा गया।'' नगर निकाय पर कर्मचारियों और नागरिक कार्यों से जुड़े ठेकेदारों का 400 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। मंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने विस द्वारा फरवरी में पारित हावड़ा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को विभाग को वापस कर दिया था और इस संबंध में अतिरिक्त जानकारी मांगी थी। इसके बाद भाजपा के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार ने वार्ड की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से पहले के विधेयक को वापस ले लिया। साथ ही, राज्य मंत्रिमंडल ने कोलकाता नगर निगम में भी वार्ड की संख्या 144 से बढ़ाकर 209 करने के प्रारंभिक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

'लुंगीवाला' टिप्पणी विवाद पर सुष्मिता देव ने दी सफाई

नड्डा ने ब्रिटास से मामला सुलझाने की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी की सांसद सुष्मिता देव ने बुधवार को कहा कि उन्होंने किसी राज्य की वेशभूषा पर कोई टिप्पणी नहीं की और राज्यसभा से ऐसा कोई संदेश नहीं जाना चाहिए जिससे भारत को सांस्कृतिक या धार्मिक आधार पर बांटने की भावना पैदा हो।

यह स्पष्टीकरण उन्होंने माकपा सांसद जॉन ब्रिटास के उस आरोप के सिलसिले में दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि सोमवार को सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा सदस्य ने उन्हें बार-बार ''लुंगीवाला'' कहा था। पूर्वाह्न 11 बजे राज्यसभा की बैठक शुरू होने पर इस मुद्दे को लेकर हंगामा हुआ था, जिसके बाद सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी थी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर सुष्मिता देव ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा, ''मैं असम की बंगाली हूं। मैंने अलग-अलग राज्यों को देखा है, जहां हम अलग-अलग तरह की वेशभूषा और कपड़े पहनते

हैं। न तो मैंने और न ही किसी सदस्य ने किसी राज्य की पोशाक पर कोई टिप्पणी की है। मैं इसे रिकॉर्ड पर रखना चाहती हूं।'' सुष्मिता देव ने कहा कि वह ब्रिटास को लंबे समय से जानती हैं। उन्होंने कहा कि इस सदन से ऐसा कोई संदेश नहीं जाना चाहिए कि कोई सदस्य भारत में सांस्कृतिक या धार्मिक आधार पर विभाजन चाहता है। सदन के नेता जे पी नड्डा ने दोनों सांसदों के बीच पैदा हुई गलतफहमी को दूर करने की पेशकश की। नड्डा ने कहा, ''अगर दोनों सांसद मेरे कक्ष में आते हैं तो इस गलतफहमी को दूर किया जा सकता है।'' इससे पहले, बुधवार को दिन की कार्यवाही शुरू होने के बाद सूचीबद्ध दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के तुरंत बाद ब्रिटास ने यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने नाम लिए बिना कहा कि भाजपा की एक सदस्य ने उन्हें कथित तौर पर ''लुंगीवाला'' कहकर निशाना बनाया। विपक्षी सदस्यों ने ब्रिटास का समर्थन किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि जब यह कथित घटना हुई थी तब वह सदन में मौजूद थे। उन्होंने सभापति से अनुरोध किया कि वह संबद्ध सदस्यों को अपने कक्ष में बुलाएं और उनकी बात सुन कर समाधान निकालें। सभापति राधाकृष्णन ने कहा कि सदन में एक सदस्य द्वारा दूसरे सदस्य के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी करने का मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को टिप्पणियां करते समय यह बात ध्यान में रखना चाहिए कि किसी की भावनाएं आहत न हों। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति अनूठी है और विविधता में एकता हमारी विशेषता है जो बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा किसी की संस्कृति को लेकर कोई भी आहत करने वाली बात कहना ठीक नहीं है। सभापति ने कहा कि वह संबंधित सांसदों को अपने कक्ष में बुलाकर इस मामले पर चर्चा करेंगे। सभापति ने शून्यकाल शुरू कराने का प्रयास किया। इसी बीच विपक्षी सदस्यों और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच तीखी तकरार होने लगी।

शाह ने बिरला को लिखा पत्र : नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए विपक्ष से बातचीत का किया आग्रह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से नीट प्रश्नपत्र लीक मुद्दे को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर सदन में चर्चा के लिए विपक्ष से बातचीत करने करने का आग्रह किया और कहा कि वह सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। शाह ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा कि लोकतंत्र में समाधान तलाशने का एकमात्र तरीका संवाद और चर्चा है तथा उन्हें लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में पूरा विश्वास है। गृह मंत्री ने पत्र में कहा, मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि कृपया विपक्ष से सलाह-मशविरा करें। सभी की सहमति से चर्चा के लिए जितना समय आवश्यक हो, उतना समय निर्धारित करें। मैं पूरी चर्चा के दौरान सदन में मौजूद रहूंगा और चर्चा के दौरान विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दूंगा।

उन्होंने कहा कि छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के महत्वपूर्ण मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों को चर्चा के दौरान अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। शाह ने कहा, लोकतंत्र में समाधान तलाशने का एकमात्र तरीका संवाद और चर्चा है और मुझे लोकतंत्र तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में पूरा अटूट विश्वास है।

नीतीश ने बिहार में एपीएमसी व्यवस्था खत्म की

किसानों को मिला सीधा लाभ : संजय झा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय झा ने बिहार में कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) व्यवस्था खत्म करने के लिए राज्यसभा सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि इस कदम से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और किसानों को उनकी उपज का भुगतान सीधे बैंक खातों में मिलने लगा।

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान झा ने नीतीश कुमार के दो दशक से अधिक समय बाद संसद में लौटने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कुमार ने उनसे कहा था कि बतौर सांसद उनके पहले के कार्यकाल में सदन में इस तरह के व्यवधान देखने को नहीं मिलते थे। झा ने कहा, ''नीतीश जी अब राज्यसभा में हैं... उन्होंने 2005 में संसद छोड़ी थी और 20 साल से अधिक समय बाद वापस आए हैं।'' नीतीश कुमार उनके बगल में बैठे थे। झा ने बताया कि नीतीश कुमार ने यह भी जिक्र किया कि उनके पहले के कार्यकाल में संसद में इस तरह के विरोध प्रदर्शन नहीं होते थे। बिहार में सहकारिता क्षेत्र में नीतीश कुमार के कामकाज की सराहना करते हुए झा ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद 2006 में राज्य में एपीएमसी व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा, ''बिहार में 2006 में नीतीश जी ने एपीएमसी व्यवस्था खत्म की, जिसमें बिचौलियों की भूमिका थी। आज अनाज की खरीद प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के माध्यम से होती है और किसानों को पैसा सीधे उनके बैंक खातों में मिलता है। यह बिहार में उनके द्वारा किया गया बदलाव है।''

फर्रुखाबाद में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी, 33 गांवों के 23 हजार से अधिक लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फर्रुखाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश में गंगा और रामगंगा नदियों का जलस्तर बढ़ने से फर्रुखाबाद जिले में बुधवार को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई। कई गांवों में पानी घुस गया, सड़क संपर्क बाधित हुआ और कटान शुरू हो गया। हालांकि, जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज करने का दावा किया है। प्रशासन के अनुसार बाढ़ से 33 गांवों के 23,367 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, जमीनी रिपोर्ट के अनुसार करीब 60 गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच चुका है।

अधिकारियों ने बताया कि गंगा का जलस्तर 137.05 मीटर पहुंच गया है, जो खतरे के निशान से महज पांच सेंटीमीटर नीचे है। जिला प्रशासन ने 24 अस्थायी आश्रय स्थल और 52 बाढ़ चौकियां स्थापित की हैं। राहत एवं बचाव कार्य के लिए 50 नाव, पांच मोटरबोट, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम और पीएसी की बाढ़ राहत इकाई तैनात की गई है। हालांकि, जिला प्रशासन के अनुसार 23 हजार से अधिक लोगों के प्रभावित होने के बावजूद अब तक केवल 240 लोग ही राहत शिविरों में पहुंचे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने 35 चिकित्सा शिविर लगाए हैं, जहां 536 लोगों का उपचार किया गया। विभाग ने 272 ओआरएस पैकेट और क्लोरीन की 896 गोलियां भी वितरित की हैं। पशुपालन विभाग के अनुसार, 11 पशु चिकित्सा शिविरों में 79 पशुओं का उपचार किया गया और 3,804 पशुओं का टीकाकरण किया गया। राजेपुर में गंगा का जलस्तर बढ़ने से गंगा पार के इलाके में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। इसके मद्देनजर अधिकारियों ने फर्रुखाबाद-बदायूं मार्ग को बंद कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है और यह खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। राजेपुर डिप के ऊपर तीन फुट से अधिक पानी तेज बहाव के साथ बह रहा है, जबकि चित्रकूट डिप पर करीब पांच फुट पानी जमा है।

सोशल मीडिया के जरिये भारतीयों से ठगी करने वाला नाइजीरियाई गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने लखनऊ के एक व्यक्ति से 68 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह से कथित रूप से जुड़े 37 वर्षीय एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान न्वोगु ओबेद ओसिनाची के रूप में हुई है। उसे मंगलवार को दिल्ली के बुराड़ी स्थित कमल विहार के एक मकान से गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ के अनुसार, गिरोह के सदस्य विदेशी नागरिकों की पहचान का इस्तेमाल कर फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर फर्जी प्रोफाइल बनाते थे और भारतीय पुरुषों एवं महिलाओं से दोस्ती करते थे।

पीड़ितों को महंगे उपहार, डॉलर या पाउंड भेजने का झांसा दिया जाता था। बाद में उन्हें बताया जाता था कि उपहार या विदेशी मुद्रा हवाईअड्डे पर रोक ली गई है। इसके बाद आरोपी कथित तौर पर खुद को सीमा शुल्क या आयकर अधिकारी बताकर उपहार अथवा विदेशी मुद्रा जारी कराने के लिए सीमा शुल्क, आयकर या जीएसटी के नाम पर पैसे की मांग करते थे। एसटीएफ ने बताया कि मामले की जांच उस समय शुरू हुई जब लखनऊ के एक व्यक्ति से 'डोरिस विलियम' नाम से बनाए गए फर्जी फेसबुक प्रोफाइल के जरिए करीब 68 लाख रुपये की कथित ठगी की गई। प्रोफाइल में खुद को इंग्लैंड का निवासी बताया गया था। पीड़ित को कथित तौर पर रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड (आरबीएस) का फर्जी प्रमाणपत्र भेजा गया और सीमा शुल्क, आयकर तथा जीएसटी के नाम पर उससे रकम वसूली गई।

राम मंदिर पर जब भाजपा ने राजनीतिक लाभ उठाया तब राज्य का विषय नहीं था : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को कहा कि सरकार राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी से जुड़े सवालों का जवाब देने से यह कहते हुए इनकार कर रही है कि यह राज्य का विषय है, जबकि लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंदिर के नाम पर राजनीतिक लाभ उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई थी।

मानसून सत्र के आखिरी चरण में भी संसद में जारी गतिरोध के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि सरकार को जनता के प्रति जिम्मेदारी का अहसास नहीं है, क्योंकि संसद ही वह मंच है जहां उसे सवालों के जवाब देने और बयान देने होते हैं। उन्होंने संसद भवन परिसर में

संवाददाताओं से कहा, एक बहुत बड़ा प्रदर्शन हुआ था। देश के युवा दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सड़कों पर उतरे थे। उन्हें पीटा गया, आंसू गैस के गोले छोड़े गए और उन पर पैलेट गन चलाई गईं। बिहार में प्रदर्शनकारियों पर एके-47 का इस्तेमाल किया गया। सरकार को लगता है कि उसे कोई जवाब नहीं देना है, वह यह बयान तक नहीं देना चाहती कि ऐसा कैसे हुआ। आदेश किसने दिया? राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी का जिक्र करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मंदिर के लिए पूरे देश से चंदा आया था। उन्होंने कहा, ''लोगों ने अपनी आस्था के लिए चंदा दिया था। गरीब लोगों ने यह सोचकर चंदा दिया कि यह मंदिर के लिए है। लोगों की भगवान राम में आस्था सिर्फ हमारे देश में ही नहीं, बल्कि मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड में भी है। अब आप कह रहे हैं कि यह राज्य का विषय है।''

प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ''जब आपको चुनाव से पहले अभियान चलाना था और इससे राजनीतिक लाभ लेना था, तब यह राज्य का विषय नहीं था। अब यह राज्य का विषय हो गया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर का उद्घाटन किया था। वह किसी प्रदेश के नहीं, बल्कि देश के प्रधानमंत्री हैं। मंदिर के उद्घाटन के लिए पूरे देश से लोग आए थे। अब वे कहते हैं कि यह राज्य का विषय है और वे संसद में इसका जवाब नहीं देंगे। चंदा गायब हो गया है। यह क्या तरीका है?''

कांग्रेस कार्यसमिति की 19 अगस्त को बैठक, सरकार को घेरने की रणनीति पर होगी चर्चा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक 19 अगस्त को होगी, जिसमें मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की जाएगी। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में छात्रों के मुद्दे और राम मंदिर से ''चंदा चोरी'' के आरोप को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ाने की रणनीति पर भी चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों की भी समीक्षा किए जाने की संभावना है।

न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ जांच रिपोर्ट संसद में पेश की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने वाली समिति की रिपोर्ट बुधवार को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में पेश की गई। न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर नोटों की अधजली गड्डियां मिलने के मामले में उन्हें पद से हटाने की कार्यवाही शुरू की गई थी। राज्यसभा के महासचिव पी सी मोदी ने जांच समिति की दो खंडों वाली रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी। इसके साथ ही जांच के दौरान दर्ज किए गए मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य भी पेश किए गए।

लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने भी जांच समिति की दो खंडों वाली रिपोर्ट लोकसभा के पटल पर रखी। तीन सदस्यीय जांच समिति ने मई में अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी थी। बिरला ने 12 अगस्त 2025 को, न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से कथित रूप से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले की जांच के लिए इस समिति का गठन किया था।

लोकसभा की बुधवार की कार्यसूची के अनुसार, निचले सदन के महासचिव भी रिपोर्ट के दोनों खंडों और मौखिक साक्ष्यों को सदन के पटल पर रखेंगे। न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास में 14 मार्च 2025 की रात आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंचे दमकलकर्मियों को कथित तौर पर एक स्टोर रूम में नोटों की अधजली गड्डियां मिली थीं।

न्यायमूर्ति वर्मा ने इस्तीफा दे दिया और उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया लगभग निष्प्रभावी हो गई है। हालांकि, उनके इस्तीफे को अभी तक कानून मंत्रालय ने अधिसूचित नहीं किया है। विवाद के बाद न्यायमूर्ति वर्मा को उनके मूल न्यायालय इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया था जो घटना के समय दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित आंतरिक समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची थी कि न्यायमूर्ति वर्मा का उस विशेष स्टोर रूम पर सक्रिय या मौन नियंत्रण'' था, जहां कथित तौर पर नकदी रखी गई थी। जुलाई 2025 में 200 से अधिक सांसदों ने न्यायमूर्ति वर्मा को पद से हटाने के लिए उनपर महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद अगस्त में बिरला ने आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायाधीश जांच समिति का गठन किया था। हालांकि, संसद द्वारा पद से हटाए जाने की आशंका के मद्देनजर न्यायमूर्ति वर्मा ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही निष्प्रभावी हो गई।

उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति और हटाने की प्रक्रिया से जुड़े जानकारों के अनुसार, शीर्ष अदालत के एक फैसले के मुताबिक, कोई न्यायाधीश राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंपते हैं और उसकी प्रति सार्वजनिक कर दी जाती है तो माना जाता है कि न्यायाधीश ने इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने बताया कि न्यायाधीश का इस्तीफा राष्ट्रपति की स्वीकृति पर निर्भर नहीं होता। प्रक्रिया के तहत राष्ट्रपति औपचारिक रूप से इस्तीफा स्वीकार करते हैं, जिसके बाद कानून मंत्रालय का न्याय विभाग इसकी अधिसूचना जारी करता है।

सुविचार

समय सबसे मूल्यवान धन है। जो इसका सम्मान करता है, वही जीवन में आगे बढ़ता है। समय का सदुपयोग करें, सफलता आपके साथ होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मिलकर बनाएं नेताजी के सपनों का भारत

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी अनीता बी फाफ ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर देशवासियों का ध्यान अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने टोक्यो के रेंकोजी मंदिर से नेताजी की 'अस्थियों' को वापस लाने का अनुरोध किया है। इस संबंध में देशवासियों द्वारा पहले भी कई बार मांग की गई थी। रेंकोजी मंदिर में रखीं अस्थियों के बारे में मतभेद हैं। कई विशेषज्ञ दावा करते हैं कि वे अस्थियां नेताजी की हैं। कई इस दावे को खारिज करते हैं। हालांकि सच्चाई का पता लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। वैज्ञानिक परीक्षणों से यह रहस्योद्घाटन हो सकता है, लेकिन इसके लिए भारत सरकार को अपनी भूमिका दृढ़ता से निभानी होगी। नेताजी ने इस देश के लिए बहुत बड़ा त्याग किया था। जिन अंग्रेजों के बारे में कहा जाता था कि इनके साम्राज्य में कभी सूरज नहीं डूबता, नेताजी ने उन्हें प्रत्यक्ष चुनौती दी थी। उन्होंने आज़ाद हिंद फौज का नेतृत्व कर दुनिया को दिखा दिया था कि भारतवासी अपनी स्वतंत्रता के लिए एकजुट एवं अनुशासित होकर लड़ना जानते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि यह स्वतंत्रता मुफ्त में नहीं मिली थी। इसके लिए नेताजी और असंख्य योद्धाओं ने बहुत संघर्ष किया था। भारत मां के कई सपूतों की ज़िंदगी काल कोठरियों में खत्म हो गई थी। नेताजी भी कई बार जेल गए थे। उन्होंने लंबी भूख हड़ताल की थी। इससे उनकी सेहत पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ा था। जब वे अंग्रेजों की आंखों में धूल झोंककर जर्मनी चले गए थे, तब ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें खत्म करने के आदेश जारी किए थे। नेताजी ने उस मुश्किल दौर का डटकर सामना किया था। अब हमारा फर्ज है कि हम वैसा भारत बनाएं, जिसका सपना नेताजी ने देखा था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का मकसद भारत को सिर्फ अंग्रेजी शासन से मुक्त कराना नहीं था। वे एक आत्मनिर्भर, सशक्त, सुंदर और विकसित देश बनाना चाहते थे। नेताजी राष्ट्रीय एकता और अनुशासन के बहुत बड़े पैरोकार थे। उनका पूरा जीवन इन आदर्शों के लिए समर्पित था। नेताजी ने उद्योगों के विकास पर बहुत जोर दिया था। वे देश से बेरोजगारी, गरीबी और अभाव दूर करना चाहते थे। उन्होंने मजदूरों के अधिकारों और कल्याण को बहुत महत्त्व दिया था। वे चाहते थे कि औद्योगिक विकास का फायदा कुछ परिवारों तक सीमित न रहे। नेताजी ने विकसित देशों को बहुत करीब से देखा था। वे उनकी उन्नति का रहस्य जानते थे। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया था कि विज्ञान और तकनीक में रुचि लें। नेताजी सुभाष चंद्र बोस महापुरुषों की जीवनी और प्रेरक साहित्य पढ़ते थे। जब वे स्कूली विद्यार्थी थे, तब स्वामी विवेकानंद से बहुत प्रभावित हुए थे। उन्होंने स्वामीजी के उपदेशों से संबंधित कई पुस्तकें पढ़ी थीं। वे रामकृष्ण परमहंस और महर्षि अरविंद से भी प्रभावित थे। आज कितने युवा महापुरुषों का साहित्य पढ़ने में रुचि रखते हैं? उस ज़माने में अंग्रेजों ने युवाओं को मानसिक रूप से गुलाम बनाने के लिए अश्लील किताबों, शराब और नशाखोरी का जाल बिछाया था। जिसे इन चीजों की लत लग जाती थी, उसे आंदोलन, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता से कोई मतलब नहीं रहता था। नेताजी ने युवाओं को अंग्रेजों की इस साजिश से सावधान किया था। ये बुराइयां आज भी मौजूद हैं। इंटरनेट पर अश्लीलता की बाढ़-सी आ गई है। शराब, सिगरेट, खैनी, जर्दा और ड्रग्स का चलन बढ़ता जा रहा है। युवाओं के दिलो-दिमाग में यह बात बैठाकर उन्हें गुमराह किया जा रहा है कि नशा करेंगे तो आधुनिक कहलाएंगे। युवाओं को नेताजी का संदेश याद रखते हुए अपनी ज़िंदगी के लिए ऊंचा मकसद तय करना चाहिए। अगर महान लोगों से प्रेरणा लेंगे तो खुद भी महान बनेंगे।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान ने 50,000 मेगावाट से ज़्यादा कैपेसिटी वाले प्रोजेक्टस लगाकर ग्रीन एनर्जी के फील्ड में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। 44,135 मेगावाट सोलर एनर्जी कैपेसिटी के साथ, राजस्थान देश में पहले नंबर पर है ।

-दिया कुमारी

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नरेंद्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद जी की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स' का विमोचन किया। इस मौके पर मुझे उनके प्रेरणा देने वाले जीवन संघर्षों और देश सेवा के सफर पर अपने विचार शेयर करने का मौका मिला।

-ओम बिरला

युवा स्वरोजगार योजना भाजपा सरकार की घोषणाओं और हकीकत के बीच के अंतर का सबसे नया उदाहरण है। जनवरी 2026 में एक लाख युवाओं को स्वरोजगार के मौकों से जोड़ने के बड़े-बड़े वादों के साथ शुरू की गई इस योजना में आज तक एक भी लोन मंज़ूर नहीं हुआ है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

व्यर्थ का अहंकार

ज्ञान-प्राप्ति के बाद व्यासपुत्र शुकदेव ने जब गुरुजी को गुरु दक्षिणा देनी चाही तो गुरुजी ने उनसे कोई ऐसी चीज लाने को कहा जो सर्वथा व्यर्थ हो। शुकदेव यह सोचकर मुस्कुरा पड़े कि गुरुजी ने मांगी भी तो क्या चीज! सारी धरा व्यर्थ चीजों से ही तो अटी पड़ी है। मिट्टी को व्यर्थ समझकर जब शुकदेव ने उसे उठाया, तो वह बोली कि मैं व्यर्थ नहीं हूं क्योंकि इस धरा का समस्त वैभव मेरे ही गर्भ में छिपा है। पत्थरों को व्यर्थ समझकर शुकदेव ने जब उन्हें उठाना चाहा, तो वे बोले कि सभी विशालकाय पर्वत हमसे ही बने हैं, फिर हम व्यर्थ कैसे हुए? ऐसे ही, जब उन्होंने कूड़े-कचरे को हाथ लगाया, तो आवाज आई कि हमारी बड़ी उपयोगिता है, इस धरती को हमसे बढ़िया खाद कौन दे सकता है? इस प्रकार काफी प्रयास करके भी जब शुकदेव कोई व्यर्थ चीज नहीं ढूंढ़ पाए, तो वे निराश हो गए। सहसा उनके अंतर्मन से आवाज आईइस संसार में हर चीज उपयोगी है, किंतु अहंकारवश हम उन्हें व्यर्थ समझते रहते हैं फिर तो दुनिया की सबसे व्यर्थ चीज हमारा अहंकार हुआ। ऐसा विचार आते ही दौड़कर वे गुरुजी के पास गए और बोले, 'अहंकार से बढ़कर व्यर्थ चीज दुनिया में और कोई नहीं है, अतः मैं अपना अहंकार आपको गुरु-दक्षिणा में देता हूं।'

सामयिक

विश्व अंगदान दिवस पर आज विशेष

मृत्यु नहीं, नवजीवन का संदेश है अंगदान

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

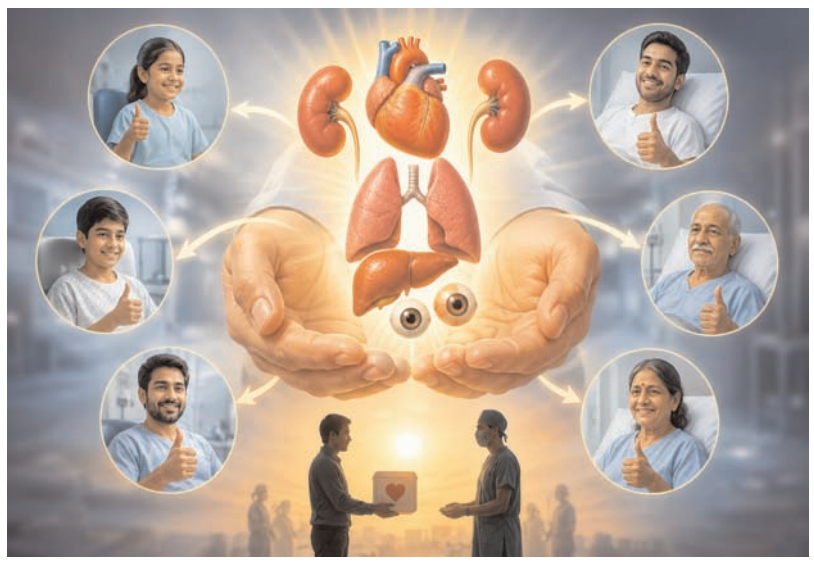

अंगदान, मानवता का वह महानतम उपहार है, जिसमें कोई व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद भी जीवन की किरण बनकर कई अन्य लोगों को जीवित रखता है। यह न केवल एक व्यक्ति की जान बचाने का कार्य है बल्कि पूरे परिवारों को उम्मीद और संजीवनी देने वाला सामाजिक मिशन भी है। किसी एक व्यक्ति द्वारा अंगदान करना केवल एक अंग का हस्तांतरण नहीं बल्कि उस व्यक्ति और परिवार के लिए जीवन का नया आश्वासन और एक जीवंत संजीवनी है। अंगदान उस महान मानवीय परंपरा का प्रतीक है, जिसमें एक व्यक्ति मृत्यु के बाद भी जीवित बना रह सकता है। प्रत्येक वर्ष 13 अगस्त को अंगदान के महत्व और इसके जरिए अनगिनत जीवन बचाने के संदेश को फैलाने के लिए 'विश्व अंगदान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल दुनियाभर में हर साल लाखों लोग अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में होते हैं लेकिन अंगदाताओं की कमी के कारण अनेक मरीज समय पर इलाज नहीं पा पाते। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अंगदान से हृदय, गुर्दा, यकृत, फेफड़े, अग्न्याशय और कॉर्निया जैसे अंग प्रत्यारोपित कर हजारों जीवन बचाए जा सकते हैं। जब कोई व्यक्ति अंगदान करता है तो वह अपने अंगों से आठ लोगों को जीवन दे सकता है और ऊतकों से कई और लोगों की सहायता कर सकता है।

अंगदान ऐसा कार्य है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद भी जीवित रह सकता है, किसी की धड़कनों में, किसी की सांसों में, किसी के जीवन की लय में। यह समाज को एक नई सोच देता है, जिसमें मृत्यु अंत नहीं बल्कि नवजीवन का आरंभ होती है। जब कोई अंगदाता अपने अंग किसी अनजान को सौंपता है तो वह केवल एक व्यक्ति की जान नहीं बचाता बल्कि पूरे परिवार को संजीवनी देता है। यही वह भावना है, जिसके कारण अंगदान को जीवन संजीवनी अभियान कहा जाता है।

आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि अंगदान और प्रत्यारोपण की दिशा में वैश्विक स्तर पर प्रगति हो रही है लेकिन मांग और आपूर्ति के बीच की खाई अब भी बहुत गहरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और ग्लोबल ऑब्जर्वेटरी ऑन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांटेशन के अनुसार, विश्व में हर घंटे औसतन 18 अंग प्रत्यारोपण किए जाते हैं। वैश्विक आवश्यकता की पूर्ति अब भी 10 प्रतिशत से भी कम है यानी लगभग 90 प्रतिशत जरूरतमंद मरीजों को समय पर अंग उपलब्ध नहीं हो पाते। हालांकि, वर्ष 2010 की तुलना में 2022 तक प्रत्यारोपण की संख्या में 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो जागरूकता और चिकित्सा तकनीक में प्रगति का संकेत है परंतु यह वृद्धि मांग की तुलना में अपर्याप्त है। अंगदान की कमी के पीछे सामाजिक मिथक, जागरूकता की कमी, कानूनी और प्रक्रियागत बाधाएं प्रमुख कारण हैं। इसके साथ ही अवैध अंग व्यापार वैश्विक स्तर पर एक गंभीर समस्या है, जिसका अनुमानित वार्षिक आर्थिक आकार 600 मिलियन से 1 बिलियन डॉलर तक है और लगभग 10-15 प्रतिशत अंग प्रत्यारोपण अवैध स्रोतों से होते हैं।

भारत में अंगदान के क्षेत्र में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और अब यह विषय राष्ट्रीय महत्व का विषय बन चुका है। जीवन की इस अनमोल देन को समझना और स्वीकारना देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रगति का प्रतीक है। 'राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन' (नोट्टो) इस अभियान का प्रमुख संचालन कर रहा है, जिसका उद्देश्य अंगदान की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और व्यापक बनाना है। नोट्टो ने पिछले वर्षों में जनजागरूकता बढ़ाने, प्रक्रिया को डिजिटल बनाने और अस्पतालों को प्रशिक्षित करने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वर्ष 2024 में भारत ने 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था और 2025 में यह आंकड़ा 20019 पहुंच गया। यह 2013 के मुकाबले एक बड़ी छलांग है, जब यह संख्या केवल 5,000 के आसपास थी। अब भारत अंग प्रत्यारोपण के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है, केवल अमेरिका और चीन ही हमसे आगे हैं। विशेष बात यह है कि भारत अब हाथ के प्रत्यारोपण के क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरा है, जो देश की उन्नत शल्य चिकित्सा प्रणाली और चिकित्सा कर्मियों के समर्पण का प्रमाण है।

यह भी जरूरी है कि इस उपलब्धि के बीच उन चुनौतियों पर भी दृष्टि डाली जाए, जो भारत में अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया को सीमित करती हैं। भारत में हर वर्ष लगभग 63,000 लोगों को गुर्दा प्रत्यारोपण और 22,000 को यकृत प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों की भी भारी मांग है लेकिन देश में मृतक अंगदाताओं की दर आज भी 1 प्रतिशत से कम है। सांस्कृतिक भ्रांतियां, पारिवारिक झिझक और अंगदान की प्रक्रिया की अपर्याप्त जानकारी इस असंतुलन के प्रमुख कारण हैं। ग्लोबल ऑब्जर्वेटरी ऑन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांटेशन के अनुसार, भारत की अंगदान दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर 0.8 तक पहुंची है जबकि स्पेन में यह दर 35.3, अमेरिका में 26 और क्रोएशिया में 36.5 है। इस प्रकार भारत में अंगदान की दर अभी भी बहुत कम है। देश में औसतन प्रतिदिन 20 लोग अंगों की अनुपलब्धता के कारण मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। यह आंकड़ा अत्यंत पीड़ादायक है।

अंगों की कमी के कारण लगभग 5 लाख लोग हर साल जान गंवाते हैं जबकि यदि भारत में मृतक अंगदान को व्यापक रूप से अपनाया जाए तो इन मौतों को रोका जा सकता है। यह भी देखा गया है कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अत्यधिक है। 2021 में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 1.5 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए थे। इनमें से 67 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष की आयु के युवा थे। यह वही आयु वर्ग है, जिसमें अंगदान की सर्वाधिक संभावना होती है लेकिन 2021 में केवल 552 मामलों में ही मस्तिष्क मृत्यु के पश्चात अंगदान हुआ। यह संख्या मृतक अंगदान की कम जागरूकता को दर्शाती है। यदि दुर्घटना के बाद अस्पतालों में ब्रेन डेड रोगियों की सही पहचान, परिजनों की सहमति और तेज कार्रवाई हो तो मृतक अंगदान की दर में भारी वृद्धि की जा सकती है। भारत में मृतक अंगदान की अवधारणा अभी भी पर्याप्त स्वीकार्यता नहीं पा सकी है। अंगों की मांग और आपूर्ति के इस गहरे अंतर को भरने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें नीति, तकनीक, शिक्षा, और सामाजिक जागरूकता सभी की भूमिका अहम है। इस दिशा में जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है।

अंगदान ऐसा कार्य है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद भी जीवित रह सकता है, किसी की धड़कनों में, किसी की सांसों में, किसी के जीवन की लय में। यह समाज को एक नई सोच देता है, जिसमें मृत्यु अंत नहीं बल्कि नवजीवन का आरंभ होती है। जब कोई अंगदाता अपने अंग किसी अनजान को सौंपता है तो वह केवल एक व्यक्ति की जान नहीं बचाता बल्कि पूरे परिवार को संजीवनी देता है। यही वह भावना है, जिसके कारण अंगदान को जीवन संजीवनी अभियान कहा जाता है। हमें यह समझना होगा कि अंगदान केवल विज्ञान नहीं बल्कि आत्मा का विस्तार है, मृत्यु के पार जीवन की अविरल धारा। यही वह परिपक्वता है, जिसकी ओर भारत अब आत्मविश्वास से बढ़ रहा है और यह वह दिशा है, जिसमें अंगदान एक जनांदोलन बनकर देश की आत्मा को उज्ज्वल करेगा।

नजरिया

क्या यही हमारे सपनों का भारत है?

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

कहां से शुरू करूं! कौन सा नगमा या तराना गाऊं! उपलब्धियों की बात करूं या नाकामियों का दर्द सुनाऊं! दिल में कसक लेकर यूं कैसे देश पर इतराऊं! कैसे कह दूं कि पूर्ण स्वराज मिल गया, करोड़ों लोगों की लाचारी-मजबूरी के बाद कैसे इठलाऊं! कैसे संविधान की यात्रा पर प्रकाश डालूं! कैसे आजादी के ऐतिहासिक जन्म की गाथा गाऊं! सच कहूं तो करोड़ों भारतीयों की तरह मेरे दिल में भी एक दर्द है। शायद आपके दिल में भी होगी! कुछ वैसी ही, जैसी आजादी के मतवालों के दिल में थी। उनके दिल में आजादी की मुकम्मल पालना नहीं होने की आशंका थी। मुझे असल मायनों में अब तक पूर्ण स्वराज हासिल नहीं हो पाने का मलाल है।

सबसे पहले राजनीति पर चर्चा कर लूं। बड़ी ऊहापोह की स्थिति है। दावों में हमारे नेता जितने आगे हैं, राजनीतिक स्तर पर काम करने और निर्णय लेने में उतने ही पीछे। ये किसी दल विशेष की बात नहीं है, सभी दलों के नेताओं का हाल कमोबेश एक जैसा ही है। आतंकवाद, चरमपंथ, कट्टरपंथ, नक्सलवाद, माओवाद, कुशल नेतृत्व, कूटनीतिक संबंध, विदेश नीति और आम आदमी को सम्मानजनक जीवन जीने का आधार उपलब्ध कराने जैसे तमाम संकटों से ग्रस्त मेरे देश में भले ही कोई मस्त हो ना हो, लेकिन नेता मदमस्त हैं। सर्वधर्म समानता और सभी को जीने की आजादी का अधिकार उपलब्ध कराने की अवधारणा पर टिके भारतीय संविधान को पिछले 75 सालों से अधिक समय में हुक्मरानों की राजनीति कमजोरी और आम आदमी की अधिकतर मौकों पर चुप्पी ने बहुत आघात पहुंचाया है।

इधर, देश को जोड़कर चलने की सोच अब प्रदेशों-जिलों के बंटवारे में बदल चुकी है। वहीं सामाजिक और सामुदायिक एकता पर अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक कार्ड भारी है। परिवारों में सिमटती राजनीति, नेताओं के पीछे भागने की आम आदमी की मजबूरी और राजनीतिक संतुलन के नाम पर महज धर्म-समाज तथा जाति कार्ड खेलकर मतदाताओं को ठगने, छलने और भरमाने पर उतारू नेता। नई किरण के रूप में नजर आते नेता भी बाद में उम्मीदों पर पानी फेरते हुए दिखलाई देते हैं। आए दिन संविधान का मखौल उड़ाती ये कैसी राजनीतिक तस्वीर बना दी है हमने! कब इसमें संवेदना और शांति के रंग भरे जा सकेंगे! क्या ऐसा संभव हो सकेगा!

राजनीतिक स्तर पर तो जो हो रहा है, सो हो रहा है। उससे भी ज्यादा दयनीय स्थिति बनी हुई है सामाजिक स्तर पर धर्म और समाज के नाम पर। चहुंओर ठेकेदारों की जमात इकट्ठा हो चुकी है। जहां देखो वहां कथित मौलानाओं-मौलवियों, बाबाओं-भक्तों की ओर से आस्था की ना जाने कैसी गंगा-जमुना बहाई जा रही है कि उसमें तमाम उम्मीदें बही जा रही हैं। आस्था के नाम पर पाखंड का बोलबाला हो चला है। रास्ता कैसे निकलेगा, कोई नहीं जानता! अजब हालात हैं।

हम में से अधिकतर लोग एक सुर में राजनीति-राजनेताओं को इसका जिम्मेदार ठहरा देंगे। पर क्या हम यह सोचने की भी जहमत उठाएंगे कि आखिर इन नेताओं को चुना किसने है! अगर इन्होंने अन्याय किया है, तो अब तक खामोश रहने वाला कौन है! हदों से पार जाकर बर्दाश्त करने वाला कौन है! आखिर कब तक हम जीवन चलाने के नाम पर समझौतों की आड़ लेते रहेंगे! हमारा ये बर्दाश्तपन थकता भी है या नहीं!

यूं तो समाज को एकता का पाठ पढ़ाने के लिए अनेक मंच हैं और जब यही मंच गुटबाजी में तब्दील हो जाते हैं, तो समझ नहीं आता कि अब समाजों में एकता आएगी कैसे! दानवीरता का आलम यह है कि धार्मिक स्थलों के लिए पैसा पानी की तरह बहा देंगे, लेकिन द्वार पर अगर किसी भिखारी का बच्चा रोटी मांगने आ धमका, तो उसे दुत्कार कर भगाने में एक पल की भी देरी नहीं होगी। अपने-अपने धर्म और मजहब को श्रेष्ठ साबित करने ही होड़ लगी है, जबकि धार्मिक विशेषज्ञ भी इस बात को भली-भांति समझते-मानते हैं कि हर धर्म में अगर कुछ खूबियां हैं, तो कुछ खामियां भी हैं।

अब बात आम और आवाम की करें। असल में गली की सड़क से लेकर संसद तक कहीं भी, कोई भी समस्या पैदा होने पर अब हमारी आदत एक-दूसरे की ओर देखने की हो गई है। शायद यह स्थिति हमारे खून में प्रोटीन और विटामिन की तरह रम गई है। शायद हम अब इस इंतजार में रहते हैं कि कोई महानायक आएगा और चुटकी बजाते ही हमारी समस्याओं का समाधान कर देगा। यह महानायक होगा कौन, इसी गणित के जोड़-भाग लगाने में हम मशगूल रहेंगे, बजाय कुछ कर्म करने के। हम गण हैं और यह तंत्र हमसे है, ना कि हम तंत्र से। कब समझेंगे हम इस बात को! भले ही देर-सवेर सही, हमें हर हाल में इस बात को समझना पड़ेगा। जिस दिन हम इस बात को समझ जाएंगे, अपने देश को सही राह पर ले आएंगे और इसकी सार्थकता साबित कर देंगे।

अगर देश की अर्थव्यवस्था की बात की जाए, तो रुपए-पैसे का मामला बहुत पेचीदा है। एक ओर दुनिया के सबसे ज्यादा धनकुबेर भारत में हैं, तो दूसरी ओर सबसे ज्यादा भूखे सोने वालों की तादाद भी इसी देश में है। देश में आर्थिक नीतियों पर बहुत से अर्थ स्वामियों का स्पष्ट प्रभाव है, राजनीति में सीधा-टेढ़ा दखल है।

हरसूद जैसा किसान कर्ज के चलते आत्महत्या कर ले, तो संवेदना पर सियासत का मजमा लग जाता है। शहीदों के सिर कट जाएं, तो संबंधों में तल्खी का मामला तूल पकड़ लेता है। दूसरे देशों के सैनिक हमारी सीमा में घुस आएं, तो कोई बात नहीं। अगर आम आदमी सेना की जवाबी कार्रवाई की बात करे, तो नेताओं में आर्थिक संबंध बिगड़ने का भय बना रहता है। कहीं भी कुछ भी हो जाए, सारी महिमा अर्थव्यवस्था के इर्द-गिर्द मंडराने लग जाती है। शायद तभी कहते हैं कि बाप बड़ा ना भइया, सबसे बड़ा रुपैया।

पर देखिए तो सही, राम-कृष्ण के इस देश में अधिकतर तिजोरियां ओवरफ्लो हैं, तो कुछ जेबें एकाध सिक्कों के लिए भी तरस जाती हैं। यही स्थिति हमारी मखमली होने की ओर अग्रसर अर्थव्यवस्था में टाट के पैबंद की मानिंद साबित हो रही है। रोको भइया इसे, करो कुछ जल्दी से कोई जुगाड़। हमें सबसे पहले इस बात को जानना-समझना चाहिए कि आखिर भारत है क्या! शाब्दिक रूप से देखें तों गण (लोग) से मिलकर तंत्र बना है। क्या असलियत में हमारा देश ऐसा ही है! नहीं, बिल्कुल नहीं। हमारा देश अब तंत्रगण हो गया है। मसलन, कुछ तंत्रों (शक्तियों) ने हमारे गण को नियंत्रित कर लिया है। ये शक्तियां जैसा करती-कराती जाती हैं, गण वैसे ही आगे पीछे होता जाता है। ये हालात आजादी के बाद से ही बने हुए हैं। पराधीन भारत में तो ऐसे हालात स्वाभाविक थे, लेकिन आजाद भारत में ऐसी स्थिति! आखिर क्यों! कौन है जिम्मेदार इन सबका!

हम में से अधिकतर लोग एक सुर में राजनीति-राजनेताओं को इसका जिम्मेदार ठहरा देंगे। पर क्या हम यह सोचने की भी जहमत उठाएंगे कि आखिर इन नेताओं को चुना किसने है! अगर इन्होंने अन्याय किया है, तो अब तक खामोश रहने वाला कौन है! हदों से पार जाकर बर्दाश्त करने वाला कौन है! आखिर कब तक हम जीवन चलाने के नाम पर समझौतों की आड़ लेते रहेंगे! हमारा ये बर्दाश्तपन थकता भी है या नहीं! आओ, अब तो एक नजीर बनें। आओ, अब तो कम से कम देश की लाज रखें। आओ, अब तो एक कदम बढ़ाएं। बदला लेने के लिए नहीं, बल्कि बदलाव के लिए। हमें यह कदम बढ़ाना ही होगा। देश के लिए भी और अपने लिए भी। हमें यह सोचना और तय करना होगा कि क्या यह वही आजादी है, जिसकी कल्पना स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सेनानियों ने की थी? अगर नहीं है, तो फिर वह आजादी कहां है? हमें मिलकर उस आजादी की तलाश करनी होगी। हमें उनके सपनों के भारत के लिए हर हाल में ऐसा करना ही होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरंगा रैली

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित 'हर घर तिरंगा' बाइक रैली में भाग लेते भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और जितेंद्र सिंह।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री झू रोंगजी का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/एपी। चीन के पूर्व प्रधानमंत्री झू रोंगजी का निधन हो गया है। सरकारी मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। वह 98 वर्ष के थे। सुधारवादी नेता झू ने 1990 के दशक में सरकारी उद्योगों में बड़े बदलाव लागू करके चीन में तेज आर्थिक विकास की नींव मजबूत करने में मदद की थी। उन्होंने चीन को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शामिल कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। झू का बीजिंग में बुधवार पूर्वाह्न लगभग 11 बजे बीमारी के कारण निधन हो गया।

झू ने 1998 से 2003 तक चीन के प्रधानमंत्री के रूप में कई बड़े बदलावों को लागू किया था। झू रोंगजी का कम्युनिस्ट पार्टी के रूढ़िवादी नेताओं और सरकारी उद्योगों के प्रमुखों से टकराव हुआ था, क्योंकि वे सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को अधिक कुशल बनाने पर जोर दे रहे थे। इसके कारण लाखों लोगों की नौकरियां चली गईं, लेकिन इससे 2010 में चीन को जापान को पीछे छोड़कर अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में मदद मिली थी।

अमेरिका में मामला खारिज होना मेरे लिए जीत का अहसास नहीं, विनम्रता का अनुभव : गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि अमेरिका में उनके खिलाफ आपराधिक मामला खारिज होने से उन्हें जीत का अहसास नहीं, बल्कि विनम्रता का अनुभव हुआ है। अदाणी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम ने कानून के शासन में उनके विश्वास को और मजबूत किया है तथा कठिन परिस्थितियों में भी अपने मूल्यों और वादों पर कायम रहने का महत्व सिखाया है। अदाणी ने कर्मचारियों और साझेदारों के साथ संवाद कार्यक्रम अपनी बात, अपनों के साथ' के दूसरे संस्करण में 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट और उसके बाद अमेरिका के न्याय विभाग की ओर से दर्ज मामले पर विस्तार से बात की। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत द्वारा अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप खारिज किए जाने के बाद आयोजित हुआ।

समूह की ओर से जारी बयान के अनुसार, अदाणी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया कि स्थायी विश्वास अपने वादों को निभाने, मूल्यों पर अडिग रहने और कठिन समय में भी सही काम करने से अर्जित होता है। उन्होंने 2023 में समूह द्वारा 20,000 करोड़ रुपये के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को पूर्ण अभिदान मिलने के बावजूद वापस लेने के फैसले को याद करते हुए कहा, ''विश्वास किसी भी कानूनी अधिकार से बड़ा होता है।''

उन्होंने कहा कि कानून अधिकार देता है, लेकिन यह मूल्य ही तय करते हैं कि उन अधिकारों का इस्तेमाल कब किया जाना चाहिए। हिंडनबर्ग रिसर्च ने 2023 में शेयर मूल्य में हेराफेरी, विदेशी कर पनाहगाहों के कथित अनुचित इस्तेमाल और अत्यधिक कर्ज से जुड़े आरोप लगाए थे। इसके बाद अदाणी समूह ने अपना एफपीओ वापस ले लिया था। समूह ने इन आरोपों को खारिज किया था। इसके बाद नवंबर, 2024 में अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी और अन्य पर भारत में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के ठेके हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को लगभग 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की साजिश रचने और अमेरिकी निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया था। अदाणी और समूह ने इन आरोपों से भी इनकार किया था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश निकोलस गैरॉफिस ने न्याय विभाग की ओर से मामला वापस लेने का अनुरोध स्वीकार करते हुए आपराधिक आरोप खारिज कर दिए।

रतन टाटा के पुराने सहयोगियों के हटने से टाटा समूह के सत्ता संतुलन में बदलाव के संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रतन टाटा के निधन के बाद टाटा समूह में शीर्ष स्तर पर प्रभाव और नियंत्रण को लेकर जारी खींचतान के बीच उनके करीबी रहे कई वरिष्ठ लोगों के समूह से अलग होने से देश के इस प्रमुख कारोबारी समूह के सत्ता संतुलन में बदलाव की स्थिति बनती नजर आ रही है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा कि वह अपने मौजूदा कार्यकाल की समाप्ति के बाद 20 फरवरी, 2027 को चेयरमैन पद पर दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे। उनका यह फैसला रतन टाटा के करीबी रहे विजय सिंह और मेहली मिस्त्री के टाटा समूह से धीरे-धीरे अलग होने के बाद आया है।

इस विवाद के केंद्र में टाटा ट्रस्ट्स हैं, जिनके पास समूह की मूल कंपनी टाटा संस की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है जबकि नमक से लेकर सेमीकंडक्टर तक के कारोबार से जुड़े समूह पर टाटा ट्रस्ट्स का निर्णायक प्रभाव है। टाटा ट्रस्ट्स में सबसे बड़ी हिस्सेदारी सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की 27.98 प्रतिशत है जबकि सर रतन टाटा ट्रस्ट की 23.56 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तरह इन दोनों ट्रस्ट की सम्मिलित हिस्सेदारी 51.54 प्रतिशत है जो कि निर्णायक हो जाती है। वर्ष 2024 में रतन टाटा के निधन के बाद उनके सौतेले भाई नोएल एन टाटा अक्टूबर, 2024 से टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन होने के अलावा टाटा संस के गैर-कार्यकारी निदेशक भी हैं।

टाटा संस के छह-सदस्यीय निदेशक मंडल में चंद्रशेखरन, नोएल टाटा, टाटा समूह के वरिष्ठ अधिकारी एवं टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन, समूह के मुख्य वित्त अधिकारी सौरभ अग्रवाल और स्वतंत्र निदेशक हरीश मनवानी एवं अनीता मरंगोली जॉर्ज शामिल हैं। टाटा ट्रस्ट्स के भीतर 2025 के दौरान मतभेद बढ़े। इसका एक गुट नोएल टाटा के साथ रहा, जबकि मिस्त्री की अगुवाई वाले दूसरे गुट में प्रमीत झावेरी, जहांगीर एचसी जहांगीर और डेरियस खंबाटा शामिल थे।

मिस्त्री के विस्तारित शापूरजी पालोनजी परिवार से संबंध भी विवाद का एक पहलू रहे हैं। इस परिवार के पास टाटा संस की करीब 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विवाद का प्रमुख मुद्दा टाटा संस के निदेशक मंडल की संरचना और निदेशक पदों का बंटवारा रहा। टाटा संस के भविष्य में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का सवाल भी मतभेद का एक प्रमुख कारण रहा। नोएल टाटा सूचीबद्धता के खिलाफ रहे हैं, जबकि श्रीनिवासन एवं सिंह सार्वजनिक रूप से इसका समर्थन कर चुके हैं।

श्रेया घोषाल ने 'जन गण मन' को दी अपनी आवाज

मुंबई/एजेन्सी

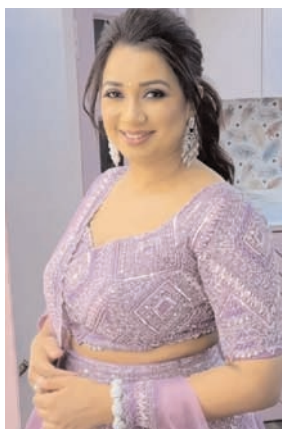

जानी-मानी गायिका श्रेया घोषाल ने राष्ट्रगान 'जन गण मन' का अपना खास वर्जन पेश किया है। इसको लेकर श्रेया ने अपने मन की बात साझा की और बताया कि राष्ट्रगान गाना उनके लिए हमेशा बेहद भावुक कर देने वाला अनुभव रहा है। आईएएनएस से बात करते हुए श्रेया घोषाल ने कहा, ''एक कलाकार के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि उसे ऐसे गीत को अपनी आवाज देने का मौका मिले, जो पूरे देश को एक भावना और एक पहचान के साथ जोड़ता है? मुझे खुशी है कि मेरी यह प्रस्तुति अब सभी लोगों के लिए जारी की जा रही है। मैं चाहती हूं कि लोग इस संस्करण को अपने-अपने तरीके से महसूस करें और राष्ट्रगान से अपने भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत कर सकें।'' श्रेया घोषाल ने सोशल मीडिया पर भी अपने इस खास प्रोजेक्ट को साझा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, ''मेरे लिए बेहद गर्व और सम्मान का क्षण है। पेश है 'जन गण मन' का मेरा वर्जन।''

श्रेया घोषाल लंबे समय से भारतीय संगीत की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ बंगाली, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और मराठी समेत 20 से ज्यादा भाषाओं में 3,000 से ज्यादा गीतों को अपनी आवाज दी है। उन्होंने साल 2002 में संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' से प्लेबैक सिंगर के रूप में शुरुआत की थी। उन्होंने 'बैरी पिया', 'सिलसिला ये चाहत का', 'डोला रे डोला', 'मोरे पिया' और 'काहे छेड़ मोहे' जैसे लोकप्रिय गीतों को गाया था। इस फिल्म के गानों ने उन्हें रातोंरात पहचान दिलाई और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अपने लंबे करियर में श्रेया ने 'तेरी ओर', 'पियू बोले', 'जादू है नशा है', 'बरसो रे', 'सामझवां', 'दीवानी मस्तानी', 'तुम क्या मिले', 'वे कमलेया' और 'सुन रहा' समेत कई यादगार गाने दिए और अपने शानदार गायन के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किए। इनमें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी शामिल हैं।

बाली के पास नौका से कई लोगों को बचाया गया, एक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया के पर्यटन द्वीप बाली के पास बुधवार को खराब समुद्री परिस्थितियों के बीच आग की लपटों से घिरी एक यात्री नौका से 172 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि एक यात्री का शव बरामद किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'माताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस' के अनुसार, नौका 'पुत्री यास्मीन' बाली के पैडंग बाई बंदरगाह से पश्चिम नुसा तेंगारा प्रांत के लोम्बोक द्वीप स्थित लेम्बर बंदरगाह जा रही थी, तभी सुबह करीब चार बज कर 15 मिनट पर उसमें आग लग गई। एजेंसी को करीब आधे घंटे बाद घटना की सूचना मिली, जिसके बाद उसने तुरंत बचावकर्मियों और बचाव नौकाओं को मौके पर भेजा। कार्यालय के प्रमुख मोहम्मद हरियादी ने कहा, सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, नौका में आग उस समय लगी जब वह लोम्बोक जलडमरूमध्य में थी। यात्री सूची के मुताबिक, नौका पर चालक दल के 17 सदस्यों समेत 131 लोग सवार थे। हालांकि, घटना के कुछ घंटे बाद अधिकारियों ने बताया कि नौका पर यात्री सूची में दर्ज संख्या से अधिक लोग सवार थे। इंडोनेशिया में नौकाओं और यात्री जहाजों पर सवार लोगों की वास्तविक संख्या का यात्री सूची में दर्ज संख्या से अलग होना आम बात है। नौका पर 44 वाहन और 53 मोटरसाइकिल भी लदी थीं। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी 'बासारनास' ने बताया कि बचावकर्मियों ने इस नौका से दो ऑस्ट्रेलियाई पर्यटकों समेत 172 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। वहीं, 19 वर्षीय एक इंडोनेशियाई लड़की का शव बरामद किया गया है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष खत्म कराने के प्रयासों के तहत पाकिस्तान के मंत्री ने ईरानी नेताओं से की वार्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने अमेरिका और ईरान के बीच रुकी हुई शांति वार्ता को फिर से शुरू कराने के प्रयासों के तहत ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची से तेहरान में बातचीत की। मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ एक अंतरिम समझौता पिछले महीने उस समय खत्म हो गया था, जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद अमेरिका और ईरान ने फिर से सैन्य हमले शुरू कर दिए थे। इस्लामाबाद संघर्ष समाप्त कराने के लिए अपनी मध्यस्थता की कोशिशों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है।ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' के हवाले से राजनयिक सूत्रों ने बताया कि नकवी मंगलवार तड़के तेहरान पहुंचे। यहां उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर बातचीत की। नकवी का हवाई अड्डे पर उनके ईरानी समकक्ष एस्कंदर मोमेनी ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने अराघची के साथ वार्ता की। 'इरना' ने नकवी और अराघची की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा कीं। राजनयिक सूत्र के अनुसार, नकवी और अराघची इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तृत चर्चा भी करेंगे।

निमरत कौर ने अरब सागर के तट पर स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन किए

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री निमरत कौर ने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैंस को श्रावण शिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे भारत के दीव शहर से 3 किलोमीटर दूर फुदम गांव में अरब सागर के तट पर स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर में भगवान का आशीर्वाद ले रही हैं। अभिनेत्री पारंपरिक वेशभूषा में मंदिर में नजर आ रही हैं। तस्वीर पोस्ट कर अभिनेत्री ने लिखा, महादेव का दिव्य आशीर्वाद हमारी सभी परेशानियों को दूर करे और हमें अंदर से मजबूत करें। सभी को श्रावण शिवरात्रि की शुभकामनाएं। नमः पार्वतीपतये हर हर महादेव।।गंगेश्वर महादेव मंदिर भारत के दीव शहर से 3 किलोमीटर दूर फुदम गांव में अरब सागर के तट पर स्थित एक प्राचीन और प्रसिद्ध शिव मंदिर है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां समुद्र की लहरें स्वयं प्राकृतिक रूप से चट्टानों के बीच स्थित पांच शिवलिंगों का जलाभिषेक करती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर के पांचों शिवलिंगों को महाभारत काल के दौरान पांडवों ने अपने अज्ञातवास के समय स्थापित किया था। यहां चट्टानों पर बने पांचों शिवलिंग अलग-अलग आकार के हैं। माना जाता है कि इन्हें पांडवों ने अपने कद के अनुसार बनाया था, जिसमें सबसे बड़ा शिवलिंग भीम का माना जाता है।

अभिनेत्री की बात करें, तो 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने के बाद अभिनेत्री जल्द ही कोर्टरूम ड्रामा-थ्रिलर फिल्म 'सेक्शन 84' में नजर आएंगी। रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लिखित फिल्म में वह बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। इस फिल्म में उनके किरदार का नाम 'जोया' है और इसमें डायना पेंटी और अभिषेक बनर्जी भी महत्वपूर्ण किरदारों में होंगे। फिल्म को जियो स्टूडियोज और रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और नवंबर 2026 में इसकी रिलीज की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी तक किसी पक्की और अंतिम तारीख का ऐलान किया जाना बाकी है।

पंजाबी फिल्म सैंताली की शूटिंग पूरी

श्रीगंगानगर/एजेन्सी

वर्ष 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की मार्मिक पृष्ठभूमि पर आधारित बहुप्रतीक्षित पंजाबी फीचर फिल्म सैंताली की शूटिंग राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले की विभिन्न लोकेशनों पर पूरी हो गई है। ऐतिहासिक घटनाओं और मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखकर बनाई जा रही यह फिल्म दर्शकों को बंटवारे के दर्द, संघर्ष, रिश्तों और सामाजिक मूल्यों से रूबरू कराएगी। फिल्म का पहला लुक भी जारी कर दिया गया है।

फिल्म का निर्देशन की जिम्मेदारी चर्चित फिल्म निर्देशक विजय सुथार संभाल रहे हैं। विजय सुथार इससे पहले कई सफल राजस्थानी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म के निर्माता रवि चमड़िया और आशीष चमड़िया हैं।

निर्देशक विजय सुथार ने बताया कि फिल्म में पंजाबी सिनेमा के प्रसिद्ध कलाकार सीमा कौशल, योगेश छाबड़ा, फतेह सिंह, मनप्रीत मणी, करण मान, कुलविंदर सिंह कंग, विजय जोरा, शगुन मेहरा, अभिषेक महेन्द्रू, बलराज सिद्धू, हरजिंदर सिंह, अशोक चलाना, गौरव बलाना, हिमांशी वर्मा, त्रिपा सहित कई अनुभवी कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ ही श्रीगंगानगर और आसपास के क्षेत्र की स्थानीय प्रतिभाओं को भी अभिनय का अवसर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 'सैंताली केवल बंटवारे की कहानी नहीं, बल्कि एक संवेदनशील सामाजिक फिल्म है, जिसमें एक ग्रामीण परिवार के जीवन, रिश्तों, संघर्षों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का संगीत और गीत भी इसकी विशेष पहचान होंगे। फिल्म की शूटिंग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों सहित कई प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक लोकेशनों पर की गई है, जिससे श्रीगंगानगर की सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक सौंदर्य भी बड़े पर्दे पर दिखाई देगा। निर्माताओं की योजना फिल्म को 20 नवंबर 2026 में देश-विदेश के सिनेमाघरों में रिलीज करने की है। शूटिंग पूरी होने के बाद फिल्म को लेकर क्षेत्र के कलाकारों, पंजाबी सिनेमा प्रेमियों और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

स्कूलों में लड़कियों को फाइनेंस हैंडल करना भी सिखाया जाए : कृति खरबंदा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने नईदिल्ली में आयोजित वी विमेन वॉन्ट कॉन्क्लेव एंड शक्ति अवॉर्ड्स 2026 में फाइनेंशियल शिक्षा को स्कूली स्तर पर शुरू करने की बात की है। उन्होंने अपनी जिंदगी का अनुभव साझा करते हुए ये भी बताया कि उन्होंने न सिर्फ 17 साल की उम्र में ही कमाना शुरू कर दिया था, बल्कि अपने परिवार की जिम्मेदारी भी संभाली थी।कृति ने कहा, मैं हमेशा से एक लड़की और एक महिला के तौर पर आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हूं। मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है।कृति ने यह भी बताया कि इस साल फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनेंस को भी संभालना सीख रही हैं। उन्होंने कहा, पहली बार मैं अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हूं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे मुझे खुद करना सीखना जरूरी है। फाइनेंशियल आज़ादी को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें यह भी समझना होगा कि दुनिया कैसे काम करती है। विशेष रूप से स्कूलों में फाइनेंशियल शिक्षा की जरूरत पर जोर देते हुए कृति ने यह भी कहा, जिस तरह हम हर महीने पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग की बात करते हैं, उसी तरह बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए कि पैसे कैसे कमाने हैं, बचाने हैं, इन्वेस्ट करना है और फाइनेंस कैसे काम करता है।

मुझे लगता है कि यह शिक्षा स्कूल से ही मिलनी चाहिए। इसके अलावा मैं समझती हूँ कि फाइनेंशियल प्लान्स को भी समय के साथ बदलते रहना चाहिए। लोग म्यूचुअल फंड और एसआईपी की बात करते हैं और मैं भी इनके पक्ष में हूं, लेकिन आपको लगातार खुद को और अपनी रणनीति को विकसित करते रहना होगा। अगर करियर के फैसले हमेशा के लिए नहीं होते, तो हमारे फाइनेंशियल प्लान्स अलग क्यों होने चाहिए? है ना।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094541,4185, 4144 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, नीचे दिए गए कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों से **मद-दर ई-निविदाएँ** ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। निविदा आमंत्रण सूचना (NIT) में कार्यों का विवरण आईएसआरओ, आईएसटीआरएसी, पीण्या, बेंगलुरु-58 के **समूह प्रमुख** द्वारा जारी किया गया है। (फोन: 080-2809 4541, 4185, 4144)

कार्य का नाम	**एमओएक्स कैंपस, आईएसटीआरएसी, पीण्या, बेंगलुरु में विद्युत संस्थापनों के संचालन हेतु वार्षिक सेवा अनुबंध।**	**आईडीएसएन कैंपस, बायलालु, आईएसटीआरएसी, बेंगलुरु के विभिन्न स्थानों पर विद्युत संस्थापनों के संचालन हेतु वार्षिक सेवा अनुबंध।**
ई-निविदा सूचना संख्या	**ISTRAC/CMG/E/MAINT/ ई-निविदा-65/2026-27 दिनांक: 12.08.2026**	**ISTRAC/CMG/E/MAINT/ ई-निविदा-66/2026-27 दिनांक: 12.08.2026**
अनुमानित निविदा लागत	**रु. 35.49 लाख**	**रु. 65.02 लाख**
निविदा दस्तावेज का विवरण	**ई-निविदाएँ**	
कार्य पूर्ण करने की अनुशंसित अवधि	**12 माह (समान नियम एवं शर्तों के साथ अनुबंध को दो और वर्षों की अवधि तक बढ़ाने का प्रावधान)।**	**12 माह (समान नियम एवं शर्तों के साथ अनुबंध को दो और वर्षों की अवधि तक बढ़ाने का प्रावधान)।**
निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अवधि	**13.08.2026 को 16.00 बजे से 28.08.2026 को 16.00 बजे तक।**	**13.08.2026 को 16.00 बजे से 02.09.2026 को 16.00 बजे तक।**
बोली स्पष्टीकरण	**14.08.2026 को 11.00 बजे से 27.08.2026 को 16.00 बजे तक।**	**14.08.2026 को 11.00 बजे से 03.09.2026 को 16.00 बजे तक।**
बोली स्पष्टीकरणों के उत्तर की अंतिम तिथि एवं समय	**28.08.2026 को 16.00 बजे तक।**	**04.09.2026 को 16.00 बजे तक।**
निविदाएँ प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	**29.08.2026 को 16.00 बजे तक।**	**05.09.2026 को 16.00 बजे तक।**
निविदाएँ खोलने की नियत तिथि एवं समय	**31.08.2026 को 11.00 बजे तक।**	**07.09.2026 को 11.00 बजे तक।**
बयाना राशि (EMD)	**रु. 70,980/-**	**रु. 1,30,040/-**

पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए इच्छुक निविदाकार वेबसाइट **www.isro.gov.in/Tenders.html** पर उपलब्ध विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) **निविदा आमंत्रण सूचना (NIT)** देख सकते हैं तथा **www.tenderwizard.com/ISRO** पर निविदा को निःशुल्क देख सकते हैं।

हस्ताक्षर/- समूह प्रमुख, सीएमजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संत दर्शन

जैन कॉन्फ्रेंस विहार सेवा ग्रुप कर्नाटक के सदस्यों ने त्रिदिवसीय गुरु दर्शन यात्रा के अंतर्गत सूरत में विराजित आचार्यश्री शिवमुनिजी, भीलवाड़ा में विराजित युवाचार्यश्री महेन्द्रऋषिजी, अहमदाबाद में विराजित प्रवर्तनीश्री सुप्रभा जी आदि संतों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके अलावा सदस्यों ने शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर एवं सांवरिया सेठ मंदिर के भी दर्शन किए। यात्रा में जैन कान्फ्रेंस के राष्ट्रीय वैयावच्च महामंत्री रतनलाल सिंघवी, कर्नाटक प्रांतीय वैयावच्च अध्यक्ष विनोद पगारिया, महामंत्री प्रकाश बोहरा, मंत्री विकास कोठारी, रमेश खाबिया, महेंद्र मेहता सहित कुल 25 सदस्य शामिल थे।

जीवन हमेशा न्याय, नीति और सिद्धांतों के आधार पर जीना चाहिए : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। शहर के कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति की ओर से चल रहे विमल वर्षावास में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने जैन जातियों के उद्भव और विकास की विस्तृत विवेचना करते हुए कहा कि प्राचीन जैनाचार्यों ने शुद्ध आचार, विचार, व्यवहार और कल्याणकारी सिद्धांतों के आधार पर लाखों राजपूतों, ब्राह्मणों व क्षुद्रों को जैन बनाया था।

यह अपनी संख्या बढ़ाने की कवायद नहीं थी, बल्कि मनुष्य के संस्कार निर्माण, चारित्रिक विकास और समाज कल्याण की भावना का अहिंसक पवित्र प्रयास था। इस धर्मांतरण के पीछे कोई छल-कपट अन्याय, अनीति, षडयंत्र अथवा अन्तरविग्रह और राष्ट्रद्रोह के प्रयास नहीं थे, इसीलिए उस जमाने में बड़े-बड़े राजा-महाराजा और सेठ-साहूकार भी जैनधर्म के अनुयायी बने थे। परेशानियां, गरीबी या दुःख कभी भी किसी की जिंदगी में आ सकते हैं, लेकिन उनसे डरकर धर्म या सिद्धांतों का परिवर्तन नहीं किया जा सकता।

जीवन हमेशा न्याय, नीति और सिद्धांतों के आधार पर जीया जाना चाहिए। किसी भी कीमत पर हमें बिकाऊ नहीं बनना चाहिए। ऐसी आत्मगौरव और धर्मगौरव की भावना ही मनुष्य की श्रेष्ठता और आदर्शों की सिद्धि है। आधुनिक युग में समाज में धीरे-धीरे आत्मगौरव और धर्मगौरव समाप्त होता जा रहा है।

लोगों को बदलते, पलटते, मुखरते और धर्मभ्रष्ट होते देर नहीं लग रही। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। लोग भविष्य की स्थिति को जाने-समझे बिना ही अपने नाम, सम्मान, धन, पद या अन्य स्वार्थ के लिए नैतिकता और सिद्धांतों को तिलांजलि दे देते हैं। ऐसे लोगों के भरोसे समाज, धर्म या राष्ट्र की रक्षा नहीं हो सकती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या अन्नदान

जैन साधर्मिक सेवा संघ के सदस्यों ने बुधवार को अमावस्या के मौके पर दीक्षित बाफना परिवार के सौजन्य से अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सैंकड़ों जरूरतमंदों ने अमावस्या महाप्रसादी ग्रहण की। संस्था के संस्थापक आशीष बाफना, दीप्ति बाफना, सुनील ओस्तवाल, सोना तातेड़, ऋषभ कोठारी, वैभव रांका, नवीन छाजेड़, शीतल सुराणा एवं अध्यक्ष अभिषेक विनायकिया सहित अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

जिनवाणी के आधार है दान, शील, तप और भाव : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने कहा कि जिस प्रकार पलंग के चार पाए होते हैं, उसी प्रकार जिनशासन के चार पाए साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविकाएं हैं।

उसी तरह दान, शील, तप और भाव यह जिनवाणी के चार पाए हैं। चारों पाए बराबर होने चाहिए, एक भी पाया इधर उधर होने से संतुलन बिगड़ जाता है। सर्वशक्तिशाली मन मनुष्य को प्राप्त हुआ है।

यह मन चार गतियों में किसी भी गति में प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि देवों को भी मन

प्राप्त होता है लेकिन उनका मन सिर्फ सम्यक्त्व प्राप्त होने तक या सम्यक्त्व टिकाने तक ही काम आता है। मनुष्य का संज्ञी मन मोक्ष तक और सातवें नरक तक जा सकता है। आर्त ध्यान से मनुष्य तिर्यंच गति, रौद्र ध्यान करने से नरक गति, धर्म ध्यान से देवगति और शुक्ल ध्यान से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

व्यक्ति के पास शुक्ल ध्यान के साथ में नम्रता होने से मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है और ध्यान के साथ अहंकार आने से अधोगति में जीव चला जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या महाप्रसादी

बेंगलूरु के गुरुगणेश सेवा समिति ने बुधवार को अमावस्या के उपलक्ष्य में अपना 105वाँ मासिक महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन मैसूर बैंक सर्कल पर किया। दानदाताओं व सहयोगियों के सौजन्य से आयोजित इस अमावस्या महाप्रसादी सेवा में सैंकड़ों जरूरतमंदों को चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, कार्याध्यक्ष आशीष बाफना, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, मनु बाफना आदि सदस्यों ने सहयोग किया।

अलसूर संघ के सदस्यों ने साध्वियों के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के एक प्रतिनिधिमंडल ने संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा के नेतृत्व में कोयम्बटूर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वश्री शशिप्रभाजी के दर्शन किए और प्रवचन श्रवण का लाभ लिया। इस मौके पर साध्वीश्री इंदुप्रभाजी एवं वृद्धिप्रभाजी ने अलसूर संघ की सेवा भावना, धर्म रुचि, अतिथि सत्कार सेवा, आत्मीयता तथा संत सती के प्रति कर्तव्य परायणता की प्रशंसा करते हुए अलसूर संघ को धर्म वृद्धि का संदेश दिया।

अलसूर संघ की ओर से संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा चातुर्मास-2025 की स्मृतियों को याद किया।

कोयंबटूर संघ ने अलसूर संघ के पदाधिकारियों का सम्मान किया। प्रतिनिधिमंडल में गौतमचंद छाजेड़, धर्मीचंद बोहरा, प्रकाशचंद नाहटा, धनपतराज तातेड़, मनोज गादिया, सुनील कावड़िया तथा उगमराज मुथा सम्मिलित थे।

वक्त से लड़कर जो नसीब बदल दे, असली इंसान वही है : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में बुधवार को अपने प्रवचन में डॉ. समकित मुनिजी ने 'सेल्फ लव' अर्थात स्वयं से प्रेम करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई हमसे प्रेम करे या न करे, इस चिंता में उलझने के बजाय स्वयं पर विश्वास रखें।

परिस्थितियां मन के अनुकूल न हों, तब भी प्रयास और पुरुषार्थ नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन की एक बड़ी साधना यह भी है कि जिस प्रकार हम अपनी पसंद की चीजों को सहजता से स्वीकार करते हैं, उसी प्रकार अपनी नापसंद' परिस्थितियों और व्यक्तियों को भी स्वीकार करना सीखें।

वक्त से लड़कर जो अपना नसीब बदल दे, असली इंसान वही है, जो अपनी तक़दीर की लकीर बदल दे। जिंदगी एक जंग है, जिसे साहस और पुरुषार्थ के साथ लड़ना पड़ता है, अन्यथा संघर्ष से भागने पर जिंदगी में ही जंग लग जाती है।

उन्होंने बच्चों को धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बच्चों में अच्छे संस्कारों का निर्माण करने तथा उन्हें अपनी सभ्यता और संस्कृति से जोड़ने के लिए यदि माता-पिता को अपनी जेब से धन खर्च करना पड़े, तो इसे खर्च नहीं बल्कि पुण्य का श्रेष्ठ कार्य समझना चाहिए।उन्होंने कहा कि धर्म-साधना, सेवा, परोपकार और दान में धन का सदुपयोग करना श्रेष्ठ पुण्य बंध का कारण बनता है। साथ ही उन्होंने चेताया कि यदि हम दूसरों का भला चाहते हैं तो अपनी गलत आदतों, क्रोध और गुस्से का प्रभाव दूसरों पर नहीं पड़ने देना चाहिए। मुनिश्री ने नवकार महामंत्र की महिमा और उसके आध्यात्मिक प्रभाव का वर्णन किया।

धर्मसभा का मंगल शुभारंभ मुनि जयवंत द्वारा प्रस्तुत मधुर गीतिका से हुआ। संचालन चातुर्मास समिति के महामंत्री जम्बू दुग्गड़ ने किया। अध्यक्ष रमेशचंद सिसोदिया, कार्याध्यक्ष राजेश बोहरा व शांतिलाल भंडारी ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया।

अपने मन पर विजय ही आत्मविकास की पहली सीढ़ी : मुनिश्री वीरसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

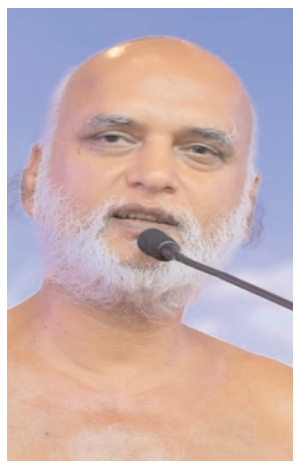

बेंगलूरु। शहर के तुबरहल्ली स्थित ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित अपने दैनिक प्रवचन में मुनिश्री वीरसागर जी ने बुधवार को कहा कि मनुष्य के जीवन में होने वाली अनेक मानसिक उलझनों, अनावश्यक चिंतन, चिंता और नकारात्मकता का मूल कारण स्वयं को मन समझ लेना है।

जब व्यक्ति यह पहचान लेता है कि वह मन का स्वामी है, मन स्वयं उसका स्वामी नहीं, तभी वास्तविक आत्मपरिवर्तन की शुरुआत होती है। हम निर्णय लेने वाले और अपने जीवन के स्वामी हैं, जबकि मन केवल विचारों का माध्यम है। जिस प्रकार आँखें देखने का माध्यम हैं और जिह्वा स्वाद ग्रहण करने का साधन है, उसी प्रकार मन विचारों के प्रवाह का माध्यम है, इसलिए मन में उठने वाले प्रत्येक विचार को अपना स्वरूप मान लेना उचित नहीं है।

व्यक्ति को अपने विवेक और चेतना के माध्यम से यह निर्धारित करना चाहिए कि कौन-सा विचार स्वीकार करना है और किस विचार को वहीं रोक देना है। प्रवचन में मुनिश्री ने नकारात्मक विचारों के बार-बार दोहराए जाने से बनने वाली मानसिक आदतों को समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार ढलान पर लगातार बहता हुआ पानी एक ही स्थान पर बहते-बहते गहरी लकीर बना देता है, उसी प्रकार बार-बार आने वाले विचार मन में एक निश्चित मार्ग बना लेते हैं।

धीरे-धीरे व्यक्ति उसी मार्ग पर सहज रूप से चलने लगता है और वही विचार उसकी आदत एवं व्यवहार का हिस्सा बन जाते हैं। चिंता, भय, क्रोध, नकारात्मक चिंतन और अनावश्यक कल्पनाएँ भी इसी प्रकार गहरे मानसिक संस्कारों का रूप ले सकती हैं।

तपस्वियों की तप अनुमोदनार्थ 'एक शाम तप के नाम' कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन, गांधीनगर में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तपस्वियों की अनुमोदना हेतु मंगलवार को साध्वीश्री के सान्निध्य में चल रही 13 रंगी तपस्या की पूर्व-संध्या पर एक धम्म जागरण का आयोजन किया गया जिसमें जयपुर से आए गायक धर्मेन्द्र बोथरा एवं सुनील डागा ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

साध्वीश्री रम्यप्रभाजी की 13 दिन की तपस्या अनुमोदना में परिवारजन शामिल हुए। सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने सभी का स्वागत किया। मंत्री सुभाष पोखरना ने तपस्वियों की तप की अनुमोदना की।

साध्वीश्री ने कहा कि तप की अनुमोदना से भी कर्मों की निर्जरा होती है। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका शांति सकलेचा ने किया। प्रकाश कटारिया ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

जो मनुष्य ज्ञानी होगा, वह अवश्य धार्मिक होगा : ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि कोई मनुष्य ज्ञानी होगा तो अवश्य धार्मिक होगा। चाहे कितना भी पढ़ा लिखा हो लेकिन संस्कार नहीं हैं तो सारा ज्ञान व्यर्थ है। जागने वाला व्यक्ति पाता है, सोने वाला व्यक्ति खोता है। जिनके पास धन संपदा है उन्हें दान पुण्य का कार्य करना चाहिए। समय रहते धन का सदुपयोग करें। कन्या दान का महत्व सबसे बड़ा है, समय रहते अपनी बेटियों की शादी कर देनी चाहिए। देरी करने से नतीजे ख़राब होते हैं। ग़ैर धर्म में विवाह हो जाता है, इसलिए समय के महत्व को समझें। कुछ ग़लत निर्णय लेने से अनहोनी होती है।

लोकेश मुनि जी ने कहा कि इंसान कभी भी सुखी नहीं रहता है, वह किसी न किसी प्रकार से दुखी होता ही है। अगर इंसान सकारात्मक सोच रखता है तो उसका जीवन सफल हो जाता है और सुखी होता है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी वह साधना करने पर सुखी होता है। ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम ही स्वाध्याय करना होता है। इस मौके पर अनेक श्रद्धालुओं ने अनेक तपस्याओं के प्रत्याख्यान लिए। प्रवचन के पश्चात अमावस्या के अवसर पर हीराबाग के सामने जरूरतमंदों के लिए अन्नदान का आयोजन किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान सेवा :

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर द्वारा अमावस्या के उपलक्ष्य में ईटा अपार्टमेन्ट के सामने अन्नदान महाप्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें विमलादेवी गुमानमल श्रीश्रीमाल परिवार के सौजन्य से 500 लोगों को भोजन कराया गया। इस मौके पर संस्था के चेयरमैन रमेश दक, मंत्री सुरेश लखानी, कोषाध्यक्ष राजेश श्रीश्रीमाल, प्रोजेक्ट चेयरमैन आशीष बाफना, आशिक पिरगल, कुलदीप पोरवाल, दिनेश लोढ़ा, दिलीप जैन सहित अनेक सेवाभावी सदस्यों ने अन्नदान सेवा कार्य में श्रम प्रदान किया।

मोह मुक्ति में बाधक तत्व है : साध्वी मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि मोह साधक की मुक्ति में बाधक तत्व है। मोह को घटाएं तो वैरागी बन सकते हैं। हमें अपने जीवन को मजदूर की तरह नहीं, प्रभु जीवन की तरह जीने का प्रयास करना चाहिए। ताकि हम मजदूर नहीं, कम से कम कारीगर तो बन सकें। फिर शिल्पकार बनने की सोचें। महापुरुषों की दृष्टि में अपने को स्थापित करने की ओर, उनकी चरण शरण में आकर गुरु का आशीर्वाद कृपा पात्र बनने की दिशा में आगे बढ़ते रहें। तो गुरु कृपा से आपके जीवन का भी उद्धार हो सकता है।

उन्होंने कहा कि राग हमें दिखाई नहीं देता है, लेकिन वही हमें दुःखी ओर हमारी दुर्दशा करता है। संत महापुरुषों का दर्शन मात्र भी मांगलिक है।

साध्वी ऋजु प्रज्ञा ने आचारांग सूत्र के माध्यम स कहा कि हमारी मूर्च्छा और आसक्ति के भाव ही हमारी आत्मा हेतु आत्मघाती के समान है। भगवान महावीर ने परिग्रह को हिंसा रूप बताते हुए साधक को अपने जीवन में परिग्रह की मर्यादा करने का विधान किया है, वहीं अपरिग्रह को अहिंसा रूप बतलाते हुए अपरिग्रह के महान सिद्धांत, गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही है। उन्होंने साधक से संत दृष्टि यानी जो तेरा है वो तेरा है, और मेरा है वो भी तेरा है, हंस दृष्टि यानी न तेरा है,ना मेरा है, सब संसार में विनाशी और दो दिन का डेरा है, यह दुनिया रैन बसेरा है।

इस प्रकार के भावों वाली शुभ हंस, सम दृष्टि को अपने जीवन में धारण करने की बात कही। शांतिनगर संघ के चेयरमैन महावीर चन्द मुथा ने स्वागत किया। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

बेंगलूरु-मंगलूरु के बीच वंदे भारत चलाने की तैयारी, सकलेशपुर-सुब्रहमण्य रोड घाट खंड में परीक्षण शुरू

मंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूरु मंडल ने बेंगलूरु-मंगलूरु मार्ग पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए चुनौतीपूर्ण सकलेशपुर-सुब्रहमण्य रोड घाट खंड में स्वचालित आपातकालीन ब्रेक प्रणाली से युक्त वंदे भारत एक्सप्रेस का परीक्षण बुधवार को शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

चेन्नई स्थित सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) में विशेष रूप से तैयार की गई 20 डिब्बों वाली ट्रेन पिछले सप्ताह मैसूरु पहुंची थी। मंगलवार को मैसूरु में इसके स्थिर परीक्षण के बाद ट्रेन को उसी रात मैदानी परीक्षण के लिए सकलेशपुर रवाना किया गया। मैसूरु मंडल के रेल प्रबंधक मुदित मित्तल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, परीक्षण बुधवार सुबह शुरू हुआ। ट्रेन में सवार अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) के कर्मचारी विभिन्न तकनीकी और परिचालन मानकों का परीक्षण कर रहे हैं।

प्रत्येक माह किसी एक दिन 500 लोगों को अन्नदान करने के लिए समर्पित संस्था
नारायणी की रसोई
द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए आयोजित
महिला उत्थान मेला - 2026
शुक्रवार, 14 अगस्त 2026
सुबह 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक
स्थान : माहेश्वरी भवन, ओकलीपुरम, बेंगलूरु
मुख्य अतिथि
श्रीमान् धीरेन्द्र कुमारजी
संस्थापक -धीर
श्रीमान् कमलेशजी डूंगरवाल
समाजसेवी
विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् भरतजी जाजू
समाजसेवी
विशेष आकर्षण
डिजाइनर कपड़े, रसायन मुक्त सौंदर्य प्रसाधन सामग्री, सुन्दर व आकर्षक राखियां, गिफ्ट आइटम, घरेलू सजावटी आइटम, ज्वेलरी, गृह निर्मित आचार, पापड़ व खानपान के अन्य स्टाल
विशेष : प्रत्येक माह की श्रृंखला में इसी दिन माहेश्वरी भवन के समक्ष नारायणी की रसोई द्वारा 600 लोगों के लिए अन्नदान
आप सभी सादर आमंत्रित हैं
निवेदक : श्वेता बियानी -94482 36972, निर्मला काँकाणी - 93795 83025, कान्ता काबरा- 99728 65825 एवं टीम नारायणी की रसोई, बेंगलूरु

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**